

विचार देरी टाइमलाइन

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ माशरल अमरप्रीत सिंह ने 29 मई, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एक सभा में रक्षा परियोजनाओं में देरी को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा, 'टाइमलाइन बड़ा मुद्दा है। मेरे विचार में एक भी परियोजना ऐसी नहीं है, जो समय पर पूरी हुई हो। कई बार हम कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय जानते हैं कि यह सिस्टम समय पर नहीं आएगा। फिर भी हम कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लेते हैं' इयह बयान भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में चल रही प्रक्रिया पर सवाल उठाता है।

एयर चीफ माशरल सिंह ने अपने बयान में विशेष रूप से हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. द्वारा तेजस एमके1ए फाइटर जेट की डिलीवरी में देरी का उल्लेख किया। यह देरी 2021 में हस्ताक्षरित 48,000 करोड़ रु पये के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा है, जिसमें 83 तेजस एमके1ए जेट्स की डिलीवरी मार्च, 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक एक भी विमान डिलीवर नहीं हुआ है। उन्होंने तेजस एमके 2 और उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) जैसे अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में प्रोटोटाइप की कमी और देरी का भी जिक्र किया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद, जिसे उन्होंने 'राष्ट्रीय जीतड़ करार दिया गया है, उनके बयान का महत्त्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि यह रक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

पहली बार नहीं है जब एचएएल की आलोचना हुई है। फरवरी, 2025 में एयरो इंडिया 2025 के दौरान एयर चीफ माशरल सिंह ने एचएएल के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था, 'मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं है, जो बहुत गलत बात है।इयह बयान एक अनौपचारिक बातचीत में रिकॉर्ड हुआ था, लेकिन इसने रक्षा उद्योग में गहरे मुद्दों को उजागर किया। रक्षा परियोजनाओं में देरी के कई कारण हैं, जिनमें से कुछ संरचनात्मक और कुछ प्रबंधन से संबंधित हैं।तेजस रूद्न1 की डिलीवरी में देरी का एक प्रमुख कारण जनरल इलेक्ट्रिक से इंजनों की धीमी आपूर्ति है।वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में समस्याएं विशेष रूप से 1998 के परमाणु परीक्षाों के बाद भारत पर लगे प्रतिबंधों ने एचएएल की उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है।सिंह ने एचएएल को 'मिशन मोड'इ में न होने के लिए आलोचना की।

उन्होंने कहा कि एचएएल के भीतर लोग अपने-अपने साइलेंो में काम करते हैं, जिससे समग्र तस्वीर पर ध्यान नहीं दिया जाता। यह संगठनात्मक अक्षमता और समन्वय की कमी का संकेत है।सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही यह स्पष्ट होता है कि समय सीमा अवास्तविक है। फिर भी, कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए जाते हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू से ही खराब हो जाती है। यह एक गहरी सांस्कृतिक समस्या को दर्शाता है, जहां जवाबदेही की कमी है। हालांकि सरकार ने एएमसीए जैसे प्रोजेक्ट्स में निजी क्षेत्र की भागीदारी को मंजूरी दी है, लेकिन अभी तक रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका सीमित रही है। इससे एचएएल और डीआरडीओ जैसे सार्वजनिक उपक्रमों पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती है, जो अक्सर समय सीमा पूरी करने में विफल रहते हैं। भारत की रक्षा खरीद प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली है। डिजाइन और विकास में देरी, जैसे कि तेजस एमके 2 और एएमसीए के प्रोटोटाइप की कमी, भी परियोजनाओं को और पीछे धकेलती है। रक्षा परियोजनाओं में देरी का भारतीय वायुसेना की परिचालन तत्परता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में भारतीय वायु सेना के पास 42.5 स्क्वाड्रनों की स्वीकृत ताकत के मुकाबले केवल 30 फाइटर स्क्वाड्रन हैं। तेजस एमके1ए जैसे स्वदेशी विमानों की देरी और पुराने मिग-21 स्क्वाड्रनों का डीकमीशनिंग इस कमी को और गंभीर बनाता है।

खाड़ी की जंग से कांपा भारतीय निर्यात



सुरेश गांधी

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक व्यापार की धड़कनों को तेज कर दिया है। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की आशंका और समुद्री मार्गों पर बढ़े खतरों के कारण जहाजों का किराया बढ़ गया है, बीमा प्रीमियम में उछाल आया है और कई विदेशी खरीदार जोखिम लेने से बच रहे हैं। इसका सीधा असर भारत के

निर्यात आधारित उद्योगों पर दिखाई देने लगा है। कालीन नगरी भदोही से लेकर देश के टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण और इंजीनियरिंग उद्योग तक इस संकट की आंच महसूस कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक व्यापार की रफ्तार को अचानक धीमा कर दिया है। समुद्री मार्गों पर जोखिम, जहाजों के बढ़े किराये और बीमा प्रीमियम में उछाल ने भारत के निर्यात आधारित उद्योगों को चिंता में डाल दिया है। कालीन नगरी भदोही से लेकर देश के टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण और इंजीनियरिंग निर्यातकों तक सभी पर इस संकट की छाया दिखाई देने लगी है। पश्चिम एशिया का खाड़ी क्षेत्र वैश्विक व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। एशिया से यूरोप और अमेरिका तक जाने वाले जहाजों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। जब इस क्षेत्र में युद्ध या तनाव की स्थिति बनती है तो समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो जाते हैं। जहाजों के लिए बीमा महंगा हो जाता है और शिपिंग कंपनियां अतिरिक्त शुल्क लगाने लगती हैं। वर्तमान हालात में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। कई शिपिंग कंपनियों ने जहाजों के मार्ग बदल दिए हैं जिससे यात्रा का समय और लागत दोनों बढ़ गए हैं। मतलब साफ है दुनिया के किसी भी हिस्से में युद्ध केवल सैनिकों की लड़ाई नहीं होता, वह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों को भी प्रभावित करता है। पश्चिम एशिया का खाड़ी क्षेत्र लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय व्यापार की जीवनरेखा माना जाता है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण उन देशों पर इसका सीधा असर पड़ता है जिनकी अर्थव्यवस्था निर्यात पर निर्भर है और भारत भी उनमें शामिल है। यही कारण है कि खाड़ी क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर तुरंत भारतीय निर्यात उद्योगों पर दिखाई देने लगता है।

व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव लंबे समय तक बना रहा तो इसका असर केवल कालीन उद्योग तक सीमित नहीं रहेगा। भारत के कई अन्य निर्यात आधारित उद्योग भी प्रभावित हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को निर्यातकों के लिए राहत पैकेज और लॉजिस्टिक सहायता पर विचार करना पड़ सकता है। मतलब साफ है पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल एक क्षेत्रीय संकट नहीं है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारत के निर्यात उद्योगों के सामने आज जो चुनौतियां खड़ी हैं, वे केवल व्यापारिक आंकड़ों की कहानी नहीं हैं। इनके पीछे लाखों लोगों की मेहनत और उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। यदि जल्द ही स्थिति सामान्य नहीं हुई तो इसका असर उद्योगों के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। इसलिए वैश्विक समुदाय के लिए यह आवश्यक है कि वह संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान तलाशे, क्योंकि जब युद्ध की आग भड़कती है तो उसकी लपटें केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहतीं, वे कर्घों और कारखानों तक भी पहुंच जाती हैं।

भदोही का कालीन उद्योग सबसे ज्यादा प्रभावित

उत्तर प्रदेश के भदोही और मिर्जापुर का कालीन उद्योग भारत के निर्यात में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। दुनिया भर में हस्तनिर्मित कालीनों के लिए प्रसिद्ध यह क्षेत्र क्कालीन नगरीह्द के नाम से जाना जाता है। इस उद्योग का वार्षिक कारोबार लगभग 17,500 करोड़ रुपये के आसपास है जिसमें से लगभग 95 प्रतिशत उत्पादन विदेशों में निर्यात होता है। अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों में भारतीय कालीनों की भारी मांग है लेकिन खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण निर्यातकों की चिंता बढ़ गई है। कई निर्यातकों का कहना है कि उनके कंटेनर बंदरगाहों पर फंस गए हैं और जहाजों का किराया काफी बढ़ गया है। यदि स्थिति लंबी चली तो उद्योग को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है।

कारपेट फैक्टर पर भी मंडराने लगा संकट

भदोही में हर वर्ष आयोजित होने वाला अंतरराष्ट्रीय कारपेट फैक्टर इस उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण आयोजन होता है। इसमें दुनिया भर से खरीदार

आते हैं और करोड़ों रुपये के निर्यात सौदे होते हैं लेकिन इस बार खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव के कारण इस आयोजन पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। कई विदेशी खरीदारों ने अपनी यात्रा को लेकर असमंजस जताया है और कुछ ने जोखिम के कारण आने से मना भी कर दिया है। यदि यह फैक्टर रद्द हो गया या अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पाया तो उद्योग को लगभग 500 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है।

टेक्सटाइल उद्योग पर भी असर

भारत का वस्त्र और परिधान उद्योग भी निर्यात पर काफी हद तक निर्भर है। अमेरिका और यूरोप इसके प्रमुख बाजार हैं लेकिन इन बाजारों तक पहुंचने के लिए समुद्री मार्गों का उपयोग करना पड़ता है। वर्तमान संकट के कारण जहाजों के मार्ग बदल रहे हैं और शिपिंग लागत में 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा रही है। इससे भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा पर असर पड़ सकता है।

रत्न और आभूषण उद्योग की चिन्ता

मुम्बई, सूरत जैसे शहर भारत के रत्न-आभूषण उद्योग के प्रमुख केंद्र हैं। यह उद्योग भी निर्यात पर आधारित है और वैश्विक बाजार में भारतीय आभूषणों की बड़ी मांग है लेकिन अंतरराष्ट्रीय परिवहन में आई अनिश्चितता और वैश्विक आर्थिक तनाव के कारण इस उद्योग की चिंताएं भी बढ़ गई



हैं।

इंजीनियरिंग और मशीनरी निर्यात

भारत का इंजीनियरिंग निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है। ऑटो पार्ट्स, मशीनरी और इलेक्ट्रिकल उपकरण बड़ी मात्रा में विदेशों में भेजे जाते हैं लेकिन समुद्री मार्गों में आई बाधाओं के कारण इन उत्पादों के निर्यात पर भी असर पड़ रहा है। कई कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ रहे हैं जिससे लागत बढ़ रही है।

कालीन नगरी के कर्घों पर संकट की आहट

भदोही और मिर्जापुर क्षेत्र के हजारों गांवों में कालीन बुनाई आज भी बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका का साधन है। यहां लाखों बुनकर और कारीगर इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। निर्यात में गिरावट आने पर सबसे पहले इन्हीं लोगों की आय प्रभावित होती है, इसलिए निर्यातकों के साथ-साथ बुनकरों में भी चिंता का माहौल है।

भारतीय कालीन उद्योग: एक नजर

कुल कारोबार: लगभग 17,500 करोड़ रुपये
निर्यात हिस्सेदारी: लगभग 95 प्रतिशत
संभावित नुकसान: 6-7 हजार करोड़ तक
कारपेट फैक्टर से संभावित व्यापार: 500 करोड़ रुपये
शिपिंग लागत में वृद्धि: 30-40 प्रतिशत

कृषि और समुद्री उत्पादों की चुनौती

भारत से चावल, मसाले, चाय और समुद्री उत्पाद भी बड़ी मात्रा में निर्यात किए जाते हैं। इन उत्पादों की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शिपमेंट में देरी होने पर गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, इसलिए निर्यातकों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ रही है।

शिपिंग और बीमा लागत में उछाल

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव का सबसे बड़ा आर्थिक असर शिपिंग और बीमा लागत पर पड़ा है। समुद्री जहाजों के लिए युद्ध जोखिम बीमा का प्रीमियम कई गुना बढ़ गया है। इसके अलावा शिपिंग कंपनियां भी जोखिम को देखते हुए अतिरिक्त शुल्क वसूल रही हैं।

भविष्य की रणनीति

यह संकट यह भी संकेत देता है कि भारत को अपनी व्यापारिक रणनीति में विविधता लानी होगी। यदि निर्यात का बड़ा हिस्सा कुछ सीमित मार्गों और

बाजारों पर निर्भर रहेगा तो भविष्य में ऐसे संकट बार-बार सामने आ सकते हैं।

खाड़ी क्षेत्र: वैश्विक व्यापार की धुरी

पश्चिम एशिया का खाड़ी क्षेत्र लंबे समय से वैश्विक व्यापार की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी सहित उसके आस-पास के समुद्री मार्ग एशिया, यूरोप और अमेरिका के बीच व्यापार का सबसे महत्वपूर्ण रास्ता हैं। भारत, चीन, जापान और दक्षिण एशिया के अन्य देशों से यूरोप और अमेरिका जाने वाले जहाजों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। इसके अलावा दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का भी बड़ा भाग इसी क्षेत्र से आता है। भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र का महत्व और भी अधिक है। भारत का इस क्षेत्र के देशों के साथ व्यापार लगभग दो सी अरब डॉलर के आस-पास है। इसके अलावा यूरो और अमेरिका के लिए भेजे जाने वाले भारतीय उत्पादों का बड़ा हिस्सा भी इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। यही कारण है कि जब भी इस क्षेत्र में युद्ध या तनाव की स्थिति बनती है, उसका असर वैश्विक व्यापार और शिपिंग पर तुरंत दिखाई देने लगता है।

रोजगार पर सम्भावित असर

भारत के निर्यात उद्योगों में करोड़ों लोग काम करते हैं। इनमें बड़ी संख्या में छोटे कारीगर, मजदूर और ग्रामीण क्षेत्रों के श्रमिक शामिल हैं। यदि निर्यात में गिरावट आती है तो सबसे पहले इन्हीं लोगों की आजीविका प्रभावित होती है। कालीन उद्योग का उदाहरण लें तो भदोही-मिर्जापुर क्षेत्र में लाखों बुनकर इस उद्योग से जुड़े हैं। निर्यात रुकने से उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है।

सरकार के सामने चुनौती

इस स्थिति में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती निर्यात उद्योगों को स्थिरता प्रदान करने की है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को शिपिंग और लॉजिस्टिक लागत को नियंत्रित करने, निर्यातकों को वित्तीय सहायता देने और नए बाजारों की तलाश करने जैसे कदम उठाने चाहिए।

दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता



यह संकट यह भी संकेत देता है कि भारत को अपनी व्यापारिक रणनीति में विविधता लानी होगी। यदि निर्यात का बड़ा हिस्सा कुछ सीमित मार्गों पर निर्भर रहेगा तो भविष्य में ऐसे संकट बार-बार सामने आ सकते हैं।

शांति ही व्यापार की असली नींव

पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक शांति केवल राजनीतिक आवश्यकता ही नहीं बल्कि आर्थिक अनिवार्यता भी है। भारत के निर्यात उद्योगों के सामने आज जो चुनौतियां खड़ी हैं, वे केवल व्यापारिक आंकड़ों की कहानी नहीं हैं। इनके पीछे करोड़ों लोगों की मेहनत और उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। यदि जल्द ही स्थिति सामान्य नहीं हुई तो इसका असर केवल उद्योगों पर ही नहीं, बल्कि व्यापक अर्थव्यवस्था और रोजगार पर भी पड़ सकता है, इसलिये वैश्विक समुदाय के लिए यह आवश्यक है कि वह संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान तलाशे। क्योंकि जब युद्ध की आग भड़कती है तो उसकी लपटें केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहतींकृवे कर्घों, कारखानों और बाजारों तक भी पहुंच जाती हैं और जब व्यापार की रफ्तार धीमी पड़ती है तो उसका असर अंततः आम आदमी की जिंदगी पर ही पड़ता है।

ऊर्जा कीमतों का असर

पश्चिम एशिया दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक क्षेत्र है, इसलिये यहां किसी भी तरह की अस्थिरता का असर तुरंत तेल की कीमतों पर पड़ता है। तेल की कीमतों में वृद्धि का असर परिवहन लागत और उत्पादन लागत दोनों पर पड़ता है। जब लागत बढ़ती है तो उत्पादों की कीमत भी बढ़ जाती है जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धा कम हो सकती है।

बिहार राज्यसभा चुनाव का संकेत

बदलते राजनीतिक समीकरण, चुनौती में विपक्ष और अवसर में सत्ता



आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी कटिहार, बिहार।

बिहार की राजनीति में राज्यसभा चुनाव सामान्यतः संख्या आधारित औपचारिक प्रक्रिया के रूप में देखे जाते रहे हैं किंतु हालिया घटनाक्रम ने इस धारणा को बदलने का कार्य किया है। महागठबंधन के कुछ विधायकों द्वारा मतदान में हिस्सा नहीं लेना और इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी प्रत्याशियों की निर्विघ्न जीत, केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि गहरे राजनीतिक संकेतों का उद्घाटन है। यह घटना बिहार की राजनीति के वर्तमान स्वरूप, आंतरिक शक्ति संतुलन, गठबंधन की विश्वसनीयता, नेतृत्व की प्रभावशीलता और भविष्य की राजनीतिक दिशा—सभी पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। राजनीति में कई बार घटनाएं छोटी दिखती हैं लेकिन उनके प्रभाव दूरगामी होते हैं। राज्यसभा चुनाव में घटित यह

रणनीतिक कौशल और अनुशासन को भी उजागर किया है। राजनीति में केवल संख्या पर्याप्त नहीं होती, बल्कि उस संख्या को एकजुट रखना और सही समय पर उसका प्रभावी उपयोग करना भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। एनडीए ने इस चुनाव में यह साबित किया कि वह न केवल सत्ता में है, बल्कि संगठनात्मक दृष्टि से भी सुदृढ़ और संगठित है। यह घटना यह भी स्पष्ट करती है कि राजनीतिक प्रबंधन आज की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। जिन दलों के पास बेहतर समन्वय, संवाद और रणनीति होती है, वे सीमित संसाधनों में भी बेहतर परिणाम प्राप्त कर लेते हैं। तीसरा महत्वपूर्ण पहलू है— राजनीतिक विश्वसनीयता का संकट। लोकतंत्र में जनता केवल घोषणाओं और नारों से प्रभावित नहीं होती, बल्कि वह राजनीतिक दलों के व्यवहार और आचरण को भी गंभीरता से देखती है। जब कोई गठबंधन अपने ही विधायकों को एकजुट नहीं रख पाता तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। इसके विपरीत एक संगठित और अनुशासित गठबंधन जनता के बीच भरोसे का वातावरण बनाता है। यह विश्वास ही चुनावी सफलता का आधार बनता है। चौथा पहलू है— बदलाता



है। ऐसे में जब वह देखता है कि कोई गठबंधन आंतरिक रूप से अस्थिर है तो उसका विश्वास स्वाभाविक रूप से कमजोर होता है। वहीं जो गठबंधन संगठित और स्पष्ट नेतृत्व

के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है, उसके प्रति आकर्षण बढ़ता है। पाँचवाँ महत्वपूर्ण पहलू है— गठबंधन राजनीति की जटिलता और उसकी सीमाएँ। भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में गठबंधन राजनीति अपरिहार्य है लेकिन यह हमेशा सरल नहीं होती। विभिन्न विचारधाराओं, सामाजिक आधारों और राजनीतिक हितों वाले दलों को उसकी कमजोरी को उजागर करते हैं। बिहार के इस चुनाव ने यही संकेत दिया है कि केवल गठबंधन बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे टिकाए रखना अधिक कठिन है। छठा पहलू है— नेतृत्व की निर्णायक भूमिका। किसी भी राजनीतिक व्यवस्था में नेतृत्व ही वह धुरी होता है जिसके इर्द-गिर्द संगठन और कार्यकर्ता एकजुट रहते हैं। यदि नेतृत्व स्पष्ट, निर्णायक और सर्वस्वीकार्य हो तो संगठन मजबूत रहता है। महागठबंधन के संदर्भ में यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या वहाँ ऐसा नेतृत्व मौजूद है जो सभी घटक दलों को समान रूप से संतुष्ट और प्रेरित कर सके। यदि नेतृत्व को लेकर अस्पष्टता बनी रहती है तो इसका प्रभाव संगठनात्मक अनुशासन पर पड़ता है। इसके विपरीत एनडीए में नेतृत्व की स्पष्टता और केंद्रीकृत निर्णय प्रक्रिया ने उसे अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखा है।

सातवाँ पहलू है— रणनीतिक मतदान और राजनीतिक संकेत। भारतीय राजनीति में कई बार मतदान से दूरी भी एक प्रकार का संदेश होती है। यह संदेश असंतोष का भी हो सकता है और भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं का संकेत भी। यह संभव है कि कुछ विधायक अपने राजनीतिक भविष्य, क्षेत्रीय समीकरणों या बदलते हालात को

धीरे-धीरे बदल रहे हैं और नए राजनीतिक आयाम उभर रहे हैं। अब राजनीति के वल जातीय समीकरणों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसमें विश्वसनीयता, स्थिरता, नेतृत्व और विकास की विधानसभा चुनावों पर प्रभाव। राज्यसभा चुनावों में दिखाई देने वाला यह रुझान आने वाले विधानसभा चुनावों में भी परिलक्षित हो सकता है। यदि महागठबंधन अपने आंतरिक मतभेदों को दूर नहीं करता, तो इसे इसका लाभ मिल सकता है। नौवाँ पहलू है— राजनीतिक संदेश का व्यापक प्रभाव। यह घटना केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर भी यह संदेश देती है कि राजनीति में संगठनात्मक अनुशासन, नेतृत्व की स्पष्टता और रणनीतिक सोच कितनी महत्वपूर्ण है। यह भी स्पष्ट होता है कि केवल संख्याबल होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे एकजुट और सक्रिय बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। दसवाँ और सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि बिहार की राजनीति एक संक्रमण काल से गुजर रही है। पारंपरिक समीकरण



रमजान मुकम्मल, ईद-उल-फितर की तैयारियों में जुटे बच्चे, घर-घर में खुशियों की दस्तक



आजमगढ़। मुकद्दस माह-ए-रमजान अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है और रोजों की इबादत के बाद अब ईद-उल-फितर की आमद की खुशियां हर तरफ नजर आने लगी हैं। इस्लामी मान्यताओं के अनुसार रमजान का महीना सब्र, इबादत, रहमत और मगफिरत का पैगाम लेकर आता है, जिसका समापन चांद दिखने के साथ ईद-उल-फितर के रूप में होता है। ऐसे में जहां बड़े अल्लाह की

बारगाह में अपनी इबादतों की कबूलियत की दुआ कर रहे हैं, वहीं बच्चों के दिलों में ईद की खुशी खास तौर पर झलक रही है। शहर और कस्बों में ईद की तैयारियां जोरों पर हैं। बाजारों में रौनक बढ़ गई है, तो घरों में साफ-सफाई और पकवानों की तैयारी शुरू हो चुकी है। खासकर बच्चों में ईद को लेकर अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है। उनके चेहरे की मुस्कान इस बात का सबूत

है कि ईद उनके लिए कितनी खास होती है। ईदगाह फूलपुर निवासी जिब्रान खान, सरायमीर के पठान टोला के अयान, फूलपुर की न्यू कॉलोनी के अली शबा मकसूद, इफरा मंजूर और अनबिया मोहम्मद तालिब जैसे कई बच्चों ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए बताया कि उन्होंने पूरे रमजान रोजे रखकर अल्लाह की इबादत की है और अब ईद का बेसब्री से इंतजार

कर रहे हैं। बच्चों ने कहा कि हूहम लोगों ने अपने रोजे मुकम्मल कर लिए हैं, अब ईद की तैयारी में लगे हुए हैं। बच्चों ने बताया कि उनके घरों में नए कपड़े सिलवाए जा रहे हैं। कोई कुर्ता-पायजामा बनवा रहा है तो कोई रंग-बिरंगे कपड़ों को लेकर उत्साहित है। लड़कियां भी अपनी पसंद के कपड़े और चूड़ियां लेने को लेकर बेहद खुश हैं। बच्चों के अनुसार ईद का सबसे खास पल नए कपड़े पहनकर

ईदगाह जाने और नमाज अदा करने का होता है। इस्लामी परंपरा के अनुसार ईद-उल-फितर के दिन सुबह विशेष नमाज अदा की जाती है, जिससे पहले फितरा अदा करना जरूरी माना गया है ताकि समाज के जरूरतमंद लोग भी ईद की खुशियों में शामिल हो सकें। यही इस त्योहार की असल भावना है—बराबरी, भाईचारा और खुशियों की साझेदारी। बच्चों ने आगे बताया कि उनके घरों

में ईद के लिए तरह-तरह के पकवान बनाए जाने की तैयारी चल रही है। खास तौर पर सेवइयां, मिठाइयां और अन्य लजीज व्यंजन ईद की शान होते हैं। घर की महिलाएं इन पकवानों की तैयारी में जुट गई हैं, जिससे ईद का दिन और भी खास बन सके। ईद का एक और खास पहलू हईदीह होता है, जिसका बच्चों को साल भर इंतजार रहता है। बच्चों ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि ईद

के मौके पर उन्हें अपने रिश्तेदारों और बड़ों से ईदी के रूप में पैसे और उपहार मिलते हैं। यह उनके लिए सबसे बड़ी खुशी का कारण होता है। बच्चे इन पैसें से अपनी पसंद की चीजें खरीदने की योजना भी बना रहे हैं। रमजान के दौरान जहां बच्चे रोजा रखकर सब्र और अनुशासन सीखते हैं, वहीं ईद उन्हें खुशी, मेला-जोला और इंसानियत का संदेश देती है। शहर में हर वर्ग के लोग ईद को लेकर

उत्साहित हैं और आपसी भाईचारे के साथ इस त्योहार को मनाने की तैयारी कर रहे हैं। कुल मिलाकर, आजमगढ़ में ईद-उल-फितर को लेकर माहौल पूरी तरह से खुशनुमा हो चुका है। बच्चों की मासूम खुशियां और उनकी उत्सुकता इस पर्व की रौनक को और भी बढ़ा रही हैं। जैसे ही चांद का दीदार होगा, वैसे ही हईदी मुबारकह्व की गूंज के साथ यह त्योहार पूरे उल्लास और परंपराओं के साथ मनाया जाएगा।

आजमगढ़: गोवध के प्रयास का खुलासा, दो गौतस्कर गिरफ्तार, उपकरण बरामद



आजमगढ़। जनपद के थाना बिलरियागंज पुलिस ने गोवध के प्रयास से जुड़े एक मामले का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त उपकरण भी बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 मार्च 2026 को ग्राम इमलीपुर के चौकीदार जयप्रकाश यादव ने सूचना दी थी कि

एक खेत में प्रतिबंधित पशु के अवशेष पड़े हैं। सूचना के आधार पर थाना बिलरियागंज में मुकदमा संख्या 62/26 धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान चार आरोपियों—सलमान, तबरेज, सरफराज और मेराज—के नाम प्रकाश में आए। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आयुध अधिनियम की

धारा 4/25 की भी बढ़ोतरी की गई। पुलिस के अनुसार, 18/19 मार्च की रात उपनिरीक्षक सुधीर पाण्डेय व उपनिरीक्षक रतन सिंह पटेल अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर नेयाज के भट्टे के पास संदिग्ध व्यक्तियों की घेराबंदी की गई। पुलिस ने मौके से वांछित दो अभियुक्तों—सरफराज पुत्र अंसार और मेराज पुत्र स्व. रियाजुल

उर्फ मौलाना, निवासी मुहम्मदपुर थाना बिलरियागंज—को करीब 1:20 बजे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने प्रतिबंधित पशु को काटकर उसका मांस बेचने की बात स्वीकार की। अभियुक्त मेराज की निशानदेही पर पुलिस ने एक चाकू, एक चापड़ तथा लकड़ी का ठोहा बरामद किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त मेराज का अपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके खिलाफ पूर्व में गोवध निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेज दिया है। मामले में फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

आजमगढ़। माह-ए-रमजान की बरकतों के बीच फूलपुर नगर स्थित न्यू कैब्रिज सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में बुधवार को बड़े एहतेराम के साथ रोजा इफ्तार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में करीब 2000 रोजेदारों के लिए इफ्तार और नमाज की विशेष व्यवस्था की गई थी। खास बात यह रही कि कार्यक्रम में हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल पेश की। मगरिब की अजान होते ही रोजेदारों ने खजूर और पानी से रोजा खोला और अल्लाह का शुक्र अदा किया। इसके बाद सभी ने मिलकर मगरिब की नमाज अदा की। रमजान के इस पाक मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत कर इबारात



के साथ-साथ भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। इफ्तार के लिए खजूर, चना, जलेबी, मीठी दही, केला, समोसा, बेज बिरयानी, मटन बिरयानी, शरबत, कोल्ड ड्रिंक और पापड़ समेत विभिन्न व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी। वहीं नमाज अदा करने के लिए भी अलग से समुचित इंतजाम किए गए थे, जहां रोजेदारों ने जमात के साथ नमाज अदा की। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल प्रबंधन की ओर से किया गया।

इस अवसर पर संस्थापक नैयर आजम खान, मैनेजर सादिक खान, राजिक खान, फशी आलम, रिजवान खान और प्रिंसिपल रियाज अहमद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मैनेजर सादिक खान ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य सिर्फ इफ्तार करना नहीं, बल्कि समाज में मोहब्बत और भाईचारे का संदेश देना है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोगों का एक साथ बैठना ही भारत की असली

खूबसूरती है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्याम बहादुर यादव, डॉ. मनोज यादव, डॉ. जिया आलम, साद आजम, डॉ. फैसल खान, डॉ. राशद, राजेश मोदनवाल, रफीक फूलपुरी, शहाबुद्दीन चौधरी, साजिद, चंदन गुप्ता, फारूक, अब्दुल रहीम, आरिफ आजम, हिसामुद्दीन, मकसूद अंसारी, आफताब आलम, साहिल खान, जीशान खान, खुशीद आलम समेत कई सामाजिक, राजनीतिक और पत्रकारिता जगत के लोग उपस्थित रहे। ऋद्धि शुभ की टीम भी कार्यक्रम में मौजूद रही। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे आपसी सौहार्द, एकता और इंसानियत का प्रतीक बताया। शांतिपूर्ण और सम्मानजनक माहौल में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

रासेयो के 7 दिवसीय विशेष शिविर का हुआ उद्घाटन

उद्घाटन

शाहगंज, जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र में स्थित फरीदुल हक मेमोरियल पी.जी. कॉलेज सबरहद में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन बुधवार को बड़े उत्साह के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. तबरेज आलम ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। मुख्य अतिथि के रूप में सर सैय्यद इंटर कॉलेज सबरहद के प्रधानाचार्य मोहम्मद शाहिद नईम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत रिकॉ गौतम और एकता चौधरी द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई। इसके बाद स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं को प्राचार्य और मुख्य अतिथि ने बैच एवं डायरी वितरित करके शिविर का औपचारिक उद्घाटन किया।



इस दौरान मुख्य अतिथि ने युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुये कहा कि एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. तबरेज आलम ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का एक सशक्त मंच है जिसके माध्यम से समाज में एकता, सहिष्णुता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, जल संरक्षण तथा

सामाजिक समरसता को बढ़ावा दिया जा सकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी ओम प्रकाश चौरसिया, डॉ. अनामिका पांडेय, डॉ. शिव प्रसाद यादव, शाहबाज आलम, डॉ. संजय यादव, शोयब अख्तर, आदित्य, अंशिका, सपना, नेहा, काजल, चांदनी, शमा, सिमरन खान, सानिया आलम, शबनम बानो, संजना, नूरा सबा, शिफा खान सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

होली मिलन

मडियाहूं, जौनपुर। होली का पर्व सामाजिक समरसता, सौहार्द, समानता और एकता का संदेश देता है और सुन्दर काण्ड पाठ समाज के संस्कार संस्कृति और मर्यादा को बताते हैं। जब सुन्दर काण्ड पाठ और होली मिलन कार्यक्रम एक साथ हो तो वह एक अलौकिक और अनोखा कार्यक्रम होता है। उक्त बातें भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने ग्रामसभा गौरा बेलवा में भाजपा नेता राजकृष्ण शर्मा के आवास पर सुन्दर काण्ड पाठ और होली मिलन समारोह के दौरान बतौर मुख अतिथि कही। इसके पहले सुन्दर काण्ड गायन टोली ने सुन्दर काण्ड पाठ और भव्य होली मिलन के गीतों से श्रोताओं को



मंत्र—मुग्ध कर दिया। उक्त अवसर पर उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और फूलों की होली खेलकर एक-दूसरे को शुभकामना दिया। कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता राधाकृष्ण शर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज को मजबूती मिलती है। इस अवसर पर कमला हास्पिटल मछलीशहर के डायरेक्टर डा. आरबी चौहान, संतोष दुबे, आशीष शुक्ला, विनोद सेठ, सुरेन्द्र पाठक, अशोक सिंह,

बालकृष्ण शर्मा, जगदीश चौहान, सुधीर पटेल, राजेन्द्र पटेल, नामवर सरोज, रविन्द्र पाठक, अभय यादव, कन्हैया लाल पांडेय, कमलेश सिंह, अनीस सरोज, संजीव गुप्ता, प्रवीण पाण्डेय, अभिषेक रावत, घनश्याम मिश्रा अध्यक्ष अधिवक्ता संघ मडियाहूं, कमलेश सिंह, साहब दुबे, पिंटू गुप्ता, अभय यादव, सूर्यबली गौतम, महाबली पांडेय, राज बहादुर यादव सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।



नामित पंकज श्रीवास्तव को स्वजातीय बन्धुओं ने दी बधाई

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 के राष्ट्रीय महासचिव पंकज श्रीवास्तव को नगर पालिका परिषद जौनपुर का नामित सभासद मनोनीत किये जाने पर उनके आवास पर पहुंचकर बधाई दी जा रही है। इसी क्रम में महासभा के जिलाध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में तमाम पदाधिकारियों ने पंकज जी के घर पहुंचकर उनको बधाई दिया। बधाई देने वालों में महासचिव नवनीत श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव, शिवांशू श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, संगठन सचिव दीपक श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव बिजेन्द्र खरे, संरक्षक हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, युवा जिलाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव, अमिता श्रीवास्तव, शिवांश श्रीवास्तव आदि प्रमुख रहे। सभी ने एक स्वर में पंकज जी के समाजसेवा एवं अथक परिश्रम का यह पद प्रतिफल है।

सपा नेत्री उषा जायसवाल ने गैस किल्लत के विरोध में किया अनोखा प्रदर्शन

नाली में गैस पाइप डालकर चाय बनाने का किया प्रयास

प्रदर्शन

कहा— प्रधानमंत्री का बताया गया विधि साबित हुआ झूठ

जौनपुर। समाजवादी महिला सभा की प्रदेश सचिव उषा जायसवाल द्वारा गैस की लगातार किल्लत को देखते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नाली से गैस बनाने की विधि का प्रयोग किया गया। सपा नेत्री उषा जायसवाल की अगुवाई में तमाम महिलाओं ने घर की एलपीजी



गैस सिलेंडर की समस्याओं को देखते हुये नाली से गैस बनाने की विधि जो प्रधानमंत्री द्वारा बताई गई विधि है, इसका प्रयोग किया गया परंतु

प्रधानमंत्री जी का यह प्रयोग कोरा झूठ साबित हुआ। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश एलपीजी गैस की समस्याओं से जूझ रहा है। लगातार

उन बढ़ रही कीमतों का सामना कर रहा है परन्तु न गैस की कीमतें रुकने का काम कर रही हैं और न ही एलपीजी गैस की आपूर्ति सुनिश्चित हो

पा रही है। ऐसी दशा में आम आदमी मौजूदा भाजपा सरकार द्वारा लगातार ठगा जा रहा है जिसे प्रमुख रूप से प्रत्येक रसोई की समस्याओं का सामना हम महिलाएं कर रहे हैं। यह सांकेतिक विरोध तब तक चलता रहेगा जब तक एलपीजी गैस की बढ़ी कीमतें सरकार वापस नहीं लेती और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं होती है। इस अवसर पर पूनम यादव, पंकी गुप्ता, सुशील यादव, मालती निषाद, शिल्पा जायसवाल, प्रीति जायसवाल, चन्दा निषाद, पूनम निषाद सहित तमाम महिलाएं मौजूद रहीं।

Mob. 9695964672

फूलपुर फार्मैसी

क्या आप पेशान हैं। | चर्मरोग का सफल इलाज

डॉ.एम.के.वर्मा

M.D. PGDCC Delhi, FMC Germany

चर्म एवं सौन्दर्य रोग विशेषज्ञ

प्रत्येक मंगलवार को सुबह 10 बजे से 1 बजे तक

चर्म रोग बाल (हेयर) रोग, नाखून एवं सौन्दर्य विशेषज्ञ

त्वचा रोग जैते:-

सफेद रोग, एलर्जी, जुलपत्ति, बालों का झरना, मुहात्ता चेहरे पर झाड़ूयें, चेचक के दाग, सेन्ट्रुआ, त्वचा का कालापन, खुजली, नाखून, गंजापन, छसी, शरीर पर मससा या तिल, चेहरे का सावला, होना, आँखों के नीचे कालापन, डिलेवरी के बादपेट पर निशान या स्टेचमार्क के निशान,चेहरे पर झुर्रिया दाद, चेहरे पर फेयरनेस, सोरियासिस एरिजमा फंगल इन्फेक्शन का इलाज।

Add. Near Purana Cold Store, Opp. Phoolpur Diagnostic Center, Main Road Phoolpur - Azamgarh

Printed @ Digiprakash Phoolpur 011888387

संक्षिप्त

खबरें

रोजगार मेला आज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा प्रदेश के युवाओं को स्वावलम्बी बनाने के संकल्प के साथ 18 मार्च को लखनऊ में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है।इस युहद आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग, विशेषकर दिव्यांगजन, महिलाओं और जीरो पॉवर्टी श्रेणी के अंतर्गत आने वाले परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें गरिमापूर्ण रोजगार प्रदान करना है। इस मेले में 100 से अधिक देश की प्रतिष्ठित कंपनियां एक ही छत के नीचे 15,000 से अधिक रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया पूरी करेंगी।कार्यक्रम में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता कपिल देव अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

ट्रेन की चपेट में आने से आँटे चालक की मौत

लखनऊ। राजधानी के मडियांव थाना क्षेत्र के बिठौली क्राँसिंग के पास ट्रेन की चपेट में आने से 20 वर्षीय आँटो ड्राइवर हमजा की मौत हो गई। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की, जिसके बाद घटना का पता चला। हमजा रोज की तरह सोमवार को भी काम पर गया था। आमतौर पर शाम 7 बजे तक घर लौट आता था। वड़े भाई जुनेद के मुताबिक, सोमवार शाम 5.40 बजे उससे आखिरी बार बात हुई थी। उसने कहा था कि वह घर आ रहा है, लेकिन रात 9 बजे तक नहीं पहुंचा। चिंतित परिजनों ने खोजबीन शुरू की। बिठौली क्राँसिंग से कुछ दूरी पर हमजा का आँटो खड़ा मिला। आसपास के लोगों ने पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा है। उन्होंने मौके पर जाकर देखा तो उसकी पहचान हमजा के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में ट्रेन की चपेट में आने से मौत की बात सामने आ रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मजदूर ने फांसी लगाकर जान दी

लखनऊ। राजधानी के मडियांव थाना क्षेत्र में एक मजदूर ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी पहचान ग्राम रहोड़ा पुरवा (आईआईएम रोड) निवासी गौतम रावत (45) के रूप में हुई। उसका शव मंगलवार सुबह करीब 7रू15 बजे गांव के बाहर आम के पेड़ से लटकता मिला। परिजनों के मुताबिक, गौतम रावत मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके 6 बच्चे हैं। सोमवार रात उसका पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद वह घर से चला गया। इसके बाद उसने यह कदम उठा लिया। मृतक के तीन भाई हैं। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम न कराने के लिए लिखित में प्रार्थना पत्र दिया। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

चलती बस से गिरकर व्यक्ति गंभीर घायल

लखनऊ। राजधानी के सीतापुर रोड स्थित पुरनिया ओवरब्रिज के पास एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की एक रोडवेज बस से हुई। जानकारी के अनुसार, घायल व्यक्ति चलती बस पर चढ़ने का प्रयास कर रहा था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह बस के नीचे आ गया। इस हादसे में व्यक्ति के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। मौके पर मौजूद लोगों ने और चौराहे पर तैनात ट्रैफिक कर्मियों ने तुरंत घायल को अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही मडियाव पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

लोहिया संस्थान में मरीज की मौत पर परिजनों ने काटा बवाल, लापरवाही का आरोप

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में मंगलवार को मरीज की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए तीमारदारों ने रेंजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट की और आपातकालीन (ट्रायज) क्षेत्र में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को काबू में किया और डॉक्टरों की तहरीर पर एक तीमारदार को हिरासत में ले लिया। संस्थान के प्रवक्ता डॉ. भुवन तिवारी ने बताया, मरीज लाल बहादुर (45) को निमोनिया और एक्यूट रेस्परेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम के साथ बेहद गंभीर हालत में लाया गया था। उनका ऑक्सीजन स्तर काफी कम था। डॉक्टरों ने तत्काल वेंटिलेटर पर शिफ्ट करने की सलाह दी, लेकिन परिजनों ने शुरू में सहमति नहीं दी। लगभग दो घंटे की देरी के बाद वेंटिलेशन शुरू किया गया, लेकिन तब तक स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी थी और मरीज को बचाया नहीं जा सका। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि डॉक्टरों ने समय पर इलाज शुरू कर दिया था और लापरवाही के आरोप निराधार हैं। वहीं, तीमारदारों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने मरीज को समय पर भर्ती नहीं किया और वेंटिलेटर को लेकर गुमराह किया। उनका कहना है कि अगर सही समय पर इलाज मिलता तो मरीज की जान बच सकती थी। परिजनों ने एक रेंजिडेंट डॉक्टर पर महिलाओं के साथ अभद्रता का भी आरोप लगाया है। फिक्कहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और अस्पताल प्रशासन ने भी आंतरिक जांच शुरू कर दी है।

पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के बाहर युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के बाहर मंगलवार को एक युवक ने आत्मदाह की कोशिश कर हड़कंप मचा दिया। युवक अपने साथ बोतल में केरोसीन लेकर पहुंचा था और मुख्य गेट के सामने आते ही उसने अपने ऊपर केरोसीन छिड़कना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत पकड़ लिया और बड़ा हादसा टल गया। युवक की पहचान दीपक शर्मा के रूप में हुई है। उसका आरोप है कि हाल ही में हुई दरोगा भर्ती परीक्षा में एक विवादित सवाल पूछा गया, जिसमें अवसरवादी के विकल्प के रूप में पंडित शब्द जोड़ा गया था। दीपक का कहना है कि यह प्रश्न जानबूझकर एक वर्ग को अपमानित करने के लिए शामिल किया गया था। दीपक शर्मा ने बताया कि इस मामले में उसने हजरतगंज कोतवाली में लिखित शिकायत भी दी थी। शिकायत में उसने भर्ती बोर्ड पर आपत्तिजनक प्रश्न पूछने और भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया था। युवक ने यह भी आरोप लगाया कि उसे पुलिसकर्मियों द्वारा अभद्र भाषा का सामना करना पड़ा। घटना के बाद पुलिस ने युवक को समझा-बुझाकर शांत कराया और उसे हुसैनगंज थाने ले जाया गया। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भर्ती में देरी से नाराज अभ्यर्थियों ने हाथ में कटोरा लेकर किया प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ में आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट भर्ती में देरी से नाराज अभ्यर्थियों ने मंगलवार को अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी कटोरा लेकर भीख मांगते हुए हजरतगंज चौराहे से विधानसभा घेराव के लिए निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें जीपीओ के पास ही रोक लिया।

लखनऊ से मोबाइल चुराकर नेपाल में बेचने वाले 4 गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ से मोबाइल चुराकर नेपाल में बेचने वाले चोर गिरोह के 4 सदस्यों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 41 मोबाइल फोन, 2 टैबलेट, अवैध हथियार और वारदात में इस्तेमाल लग्जरी कार और बाइक बरामद की गई। मोबाइलों की कीमत करीब 20 लाख रुपए है। एडीसीपी नॉर्थ रिषभ रूणवाल ने बताया- 22 फरवरी को जानकीपुरम गार्डन निवासी अभिषेक चौधरी ने दुकान का शटर तोड़कर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। चोर करीब 30 नए मोबाइल, 10 पुराने मोबाइल, 4 टैबलेट और 10 हजर रुपए नकद ले गए थे। पुलिस मडियांव थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में लगी थी। मुखबिर की सूचना पर



मंगलवार सुबह मडियांव के यादव चौराहे के पास लोखंडिया मोड़ सर्विस रोड से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमन (23), जीशान (26), अजमत अली उर्फ मंटू (25) और समीर उर्फ डाबर (19) के रूप में हुई है। सभी लखनऊ और बहराइच के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। आरोपियों के पास से 41 मोबाइल, 2 टैबलेट के अलावा

2 अवैध देशी तमंचे (.303 बोर), 1 रिवाल्वर (.32 बोर) और कुल 9 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई हंडई वर्ना कार और दो मोटरसाइकिल भी कब्जे में ली हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पहले बाइक और कार से इलाके की रेकी करते थे। इसके बाद बंद दुकानों का शटर और ताला तोड़कर मोबाइल व टैबलेट चोरी कर लेते थे। चोरी का सामान नेपाल ले

जाकर बेच देते थे और रुपए आपस में बांट लेते थे। आरोपी चोरी के दौरान हथियार साथ रखते थे। बरामद सामान का संबंध मडियांव समेत अलीगंज, जानकीपुरम, चिनहट और इटौंजा थानों में दर्ज कई चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है। उनके अपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य जिलों से भी जुटाई जा रही है।

ई-रिक्शा चालक ने फंद़ा लगाकर आत्महत्या की

संवाददाता

लखनऊ। श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर आशियाना की प्रबंधकारिणी समिति के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए, जिसमें चंद्र प्रकाश जैन ने अध्यक्ष पद पर भारी मतों से विजय प्राप्त की है। चुनाव अधिकारी नलिन राज कासलीवाल, विपिन जैन एवं श्रीमती मनीषा जैन द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, पूरी प्रबंधकारिणी समिति का चयन लोकतांत्रिक तरीके से किया गया। नवगठित समिति के मुख्य पदाधिकारियों का विवरण इस प्रकार है- अध्यक्ष- चंद्र प्रकाश जैन मंत्री-अजय जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष- मनोज कुमार जैन उपाध्यक्ष-अखिलेश जैन कोषाध्यक्ष-शरद कुमार जैन संयुक्त मंत्री- अनूप जैन नवनिर्वाचित अध्यक्ष चंद्र प्रकाश जैन ने कहा यह जीत केवल एक पद की प्राप्ति नहीं, बल्कि धर्म और सेवा के मार्ग पर चलने का अवसर है।



कि अनिल विवाहित था। उसकी पत्नी का नाम अंजलि सोनकर है। वह तीन भाइयों में मझला था, बड़े भाई का नाम सुगील और छोटे का नाम छोटू है। मृतक ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर सूचना फ़ौती दर्ज कर ली है और पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

कृषि विभाग में ई-ऑफिस प्रणाली के लिए 5.56 करोड़ मंजूूर

» युद्ध स्तर पर चल रहा है कृषि विभाग का डिजिटाइजेशन

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि विभाग की कार्यप्रणाली को पारदर्शी, पेपरलेस और सुलभ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी ई-ऑफिस योजना को विभाग में पूर्णतः प्रभावी बनाने हेतु सरकार ने 5.56 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य विभागीय स्तर पर फाईलिंग सिस्टम को आधुनिक बनाना और कार्यों का त्वरित निस्तारण करना है।प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के निर्देशानुसार इस स्वीकृत धनराशि से विभाग के लिए 625 उच्च गुणवत्ता वाले र्शॉल इन वनर कंप्यूटर्स का क्रय किया जाएगा।

वर्तमान में पूरे प्रदेश में कृषि विभाग के अभिलेखों की स्कैनिंग और डिजिटाइजेशन का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इन नए कंप्यूटर्स और अन्य सहवर्ती उपकरणों को जल्द ही मुख्यालय सहित जनपदीय कार्यालयों को उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और ई-ऑफिस प्रणाली को गति प्राप्त होगी।ई-ऑफिस लागू होने से फाइलों का सुरक्षित रखरखाव होगा और अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ेगी। तकनीक के इस समन्वय से किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न सरकारी योजनाओं और अनुदानों से संबंधित लाभ अत्यधिक प्रभावी और त्वरित गति से प्राप्त हो सकेंगे। सरकार का ध्येय है कि किसानों से जुड़ी हर सेवा डिजिटल माध्यम से कम से कम समय में उन तक पहुंचे, जिससे प्रदेश का कृषि क्षेत्र और अधिक सशक्त और आधुनिक बन सके।

खेल महोत्सव में वॉलीबॉल, बैडमिंटन और क्रिकेट का हुआ सेमीफाइनल

» आज सुबह होगी मैराथन दौड़

संवाददाता

लखनऊ। उच्चतम सेवा संस्थान, प्रो शारदा प्रसाद तिवारी मेमोरियल ट्रस्ट, एस.एस. हॉस्पिटल, माय भारत एवं काव्योम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित युवा खेल महोत्सव २० के दूसरे दिन वॉलीबॉल, बैडमिंटन तथा क्रिकेट का सेमीफाइनल खेलो का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो० हिमांशु शेखर झा राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, प्रवीण सिंह, चेयरमैन एस एस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, डॉ. पल्लवी सिंह, निदेशक आकार आईएस संस्थान, महंत नील कंदेश्वर महादेव मंदिर सिद्धेश्वरानंद गिरि, कुलदीप पति त्रिपाठी अपर महाअध्यक्ता, उच्च न्यायालय



लखनऊ वेंच डॉ नीरज शुक्ल मुख्य कुलानुशासक भाषा विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। प्रो हिमांशु शेखर झा ने बताया कि युवा भारत का नेतृत्व कर्ता है, इसलिए युवाओं को इस प्रकार के आयोजनों में आकर खेलों को बढ़ावा देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रवीण सिंह ने कहा कि खेल हमारे शरीर को युवा बनाए रखने में उपयोगी हैं, हम खेलों को अपने दिनचर्या में अवश्य लाएं। अंत मे

अतिथियों का धन्यवाद प्रो० मंजुला उपाध्याय अध्यक्ष प्रो शारदा प्रसाद तिवारी मेमोरियल ट्रस्ट, कार्यक्रम की संयोजिका प्रो सीमा पाण्डेय, सह संयोजक डॉ रमेश त्रिपाठी,उत्तिष्ठ सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष योगेश तिवारी, काव्योम से जय, अनमोल, सृष्टि सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ वी एन पाठक,अमन, हरि ओम, अभय तिवारी, अनुभव, आर्यन, आकाश सहित 300 लोग उपस्थित रहे।

फत्तेखेड़ा में अजय राय ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की



» रमेश प्रजापति के परिजनों को 50 लाख मुआवजे की मांग

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मोहनलालगंज क्षेत्र के फत्तेखेड़ा गांव पहुंचकर मृतक रोजगार सेवक रमेश प्रजापति के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और सरकार से 50 लाख मुआवजे व सरकारी नौकरी की मांग की। हाल ही में रमेश प्रजापति ने कथित तौर पर आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर ली थी। अजय

राय ने मृतक के पिता और बड़े भाई से मिलकर उन्हें ढांडस बंधाया। इस दौरान अजय राय ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में रोजगार सेवकों की स्थिति दयनीय है। उन्होंने इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की। मृतक के परिवार को तत्काल 50 लाख का मुआवजा दिया जाए, परिवार के एक सदस्य को योग्यतानुसार सरकारी नौकरी प्रदान की जाए, और आत्महत्या के कारणों की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो ताकि दोषियों पर कार्रवाई की जा सके। अजय राय ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है और न्याय मिलने तक इस आवाज को बुलंद करती रहेगी।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सशक्तिकरण हेतु उपमुख्यमंत्री ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज अपने सरकारी आवास 7 कालिदास मार्ग, लखनऊ में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएस) के अधिकारियों और सहयोगी संस्थाओं (एनजीओ) के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें (एमएससी) एवं एचसीएल फाउण्डेशन सम्मिलित हुए। बैठक के दौरान प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी आजीविका को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। ग्रामीण भारत को बदलें (एनजीओ) जो वर्तमान में 7 राज्यों में कार्य कर रहा है जो कि दीदीयो का डिजिटल आजीविका रजिस्टर बनाना, वन प्रिय योजना, माइक्रो एंटरप्राइजेज के रूप में कृषि सिखियों को रेंसिंग देना इत्यादि। उपमुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की दीदियों की आर्थिक



स्थिति को सुधारने के लिए 1 करोड़ लखपति दीदी बनाने का नया लक्ष्य निर्धारित किया है। पूर्व में यह लक्ष्य 35 लाख का था, जिसे अब व्यापक स्तर पर विस्तारित किया गया है। अगले 3 वर्षों में 35 लाख संभावित लखपति दीदियों की आय में 40: की वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया है। 1 करोड़ एसएचजी सदस्यों को सहायता प्रदान करने के लिए एक मजबूत संस्थागत और प्रणालीगत ढांचा विकसित किया जाएगा। इसके तहत संकुल स्तरीय संघ की संस्थाओं को

और सुदृढ़ किया जाएगा। मिशन के तहत अब तक 35 लाख डिजिटल आजीविका रजिस्टर का निर्माण किया जा चुका है और 60,000 कम्प्यूटरी रिसोर्सपर्संस को प्रशिक्षित करने की योजना है। विभागीय अभिसरण सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों (जैसे कृषि, पशुपालन, पंचायती राज और एमएसएमई) के साथ समन्वय पर जोर दिया गया है ताकि महिलाओं को सरकारी पूंजी और संसाधनों का अधिकतम लाभ मिल सके।

कृष्ण जन्म की कथा सुन आनंदित हुए श्रद्धालु

• जन्मोत्सव में झूमते नाचते भागीदार बने श्रोता

संवाददाता

लखनऊ। मोतीशील, ऐशबाग स्थिति माधव कला मंडप में ममता चौरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक एवं बीजेपी अवध क्षेत्र उपाध्यक्ष राजीव मिश्र कथा समिति के संयोजक प्रदीप शर्मा जी एवं कोषाध्यक्ष गौरव पांडे द्वारा आयोजित श्रीमद्भगवत कथा महायज्ञ के चौथे दिन कथा प्रारंभ 51 विवाहित जोड़ो से दीप प्रज्वलन करने के उपरान्त आरंभ हुआ स आयोजित श्रीमद्भगवत कथा महायज्ञ के चौथे दिन सुविख्यात कथा प्रवक्ता पूज्य संत पंडित राम शरण शास्त्री जी महाराज ने कृष्ण जन्म की दिव्य कथा सुनायी।भाद्रपद कृष्ण अष्टमी तिथि की घनघोर अंधेरी आधी रात को रोहिंगी नक्षत्र में मथुरा के कारागार में वसुदेव की



पत्नी देवकी के गर्भ से भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था। यह तिथि उसी शुभ घड़ी की याद दिलाती है और सारे देश में बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। द्वापर युग में भोजवंशी राजा उग्रसेन मथुरा में राज्य करता था। उसके आततायी पुत्र कंस ने उसे गद्दी से उतार दिया और स्वयं मथुरा का राजा बन बैठा। कंस की एक बहन देवकी थी, जिसका विवाह वसुदेव नामक यदुवंशी सरदार से हुआ था।एक समय कंस अपनी बहन देवकी को उसकी ससुराल पहुंचाने जा रहा था। रास्ते में आकाशवाणी हुई- रहे कंस, जिस

देवकी को तू बड़े प्रेम से ले जा रहा है, उसी में तेरा काल बसता है। इसी के गर्भ से उत्पन्न आठवां बालक तेरा वध करेगा।ए यह सुनकर कंस वसुदेव को मारने के लिए उद्यत हुआ। तब देवकी ने उससे विनयपूर्वक कहा मेरे गर्भ से जो संतान होगी, उसे मैं तुम्हारे सामने ला दूंगी। बहनोई को मारने से क्या लाभ है। कंस ने देवकी की बात मान ली और मथुरा वापस चला आया। उसने वसुदेव और देवकी को कारागृह में डाल दिया। वसुदेव-देवकी के एक-एक करके सात बच्चे हुए और सातों को जन्म लेते ही कंस

ने मार डाला। अब आठवां बच्चा होने वाला था। कारागार में उन पर कड़े पहरे बैठा दिए गए। उसी समय नंद की पत्नी यशोदा को भी बच्चा होने वाला था। उन्होंने वसुदेव-देवकी के दुखी जीवन को देख आठवें बच्चे की रक्षा का उपाय रचा। जिस समय वसुदेव-देवकी को पुत्र पैदा हुआ, उसी समय संयोग से यशोदा के गर्भ से एक कन्या का जन्म हुआ, जो और कुछ नहीं सिर्फ श्मायाश थी। जिस कोठरी में देवकी-वसुदेव कैद थे, उसमें अचानक प्रकाश हुआ और उनके सामने शंख, चक्र, गदा, पद्म धारण किए चतुर्भुज भगवान प्रकट हुए। दोनों भगवान के चरणों में गिर पड़े। तब भगवान ने उनसे कहा- श्रवम मैं पुनः नवजात शिशु का रूप धारण कर लेता हूं। तुम मुझे इसी समय अपने मित्र नंदजी के घर वृंदावन में भेज आओ और उनके यहां जो कन्या जन्मी है, उसे लाकर कंस के हवाले कर दो।

हेमवती नंदन बहुगुणा ने उत्तर प्रदेश के विकास को एक नयी ऊंचाई प्रदान की: योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने इस राज्य के विकास को एक नयी ऊंचाई प्रदान की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा, हेमवती नंदन बहुगुणा ने स्वतंत्र भारत में एक जनप्रतिनिधि, प्रदेश सरकार में मंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में अनेक उल्लेखनीय कार्य किये। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विकास को एक नयी ऊंचाई प्रदान की और प्रयागराज को एक नयी पहचान दी। उन्होंने कहा, आज हेमवती नंदन बहुगुणा भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा प्रारंभ किया गया कार्य, उनके द्वारा जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री



के रूप में जो कुछ भी किया गया, वह समाज के प्रत्येक तबके, देश की समृद्धि और आम जन के कल्याण के लिए उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा, हेमवती नंदन बहुगुणा का जन्म तत्कालीन उत्तर प्रदेश और वर्तमान में उत्तराखंड के पौड़ी जिले के एक छोटे-से गांव में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा गांव में अर्जित कर उन्होंने आगे की शिक्षा के लिए प्रयागराज की भूमि को चुना। वह आजादी की लड़ाई में छात्र नेता के

रूप में शामिल हुए और सामाजिक जनजागरुकता और राष्ट्रीय चेतना को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने लगातार प्रयास किए। इस मौके पर योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जग शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री रीत बहुगुणा (हेमवती नंदन बहुगुणा की पुत्री) और पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अमनार रिजवी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे।



मोतिहारी में पुलिस- बदमाशों के बीच मुठभेड़ में दो अपराधी ढेर, एक जवान शहीद

पटना (एजेंसी)। चकिया थाना क्षेत्र के सिहोरवा में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश मार गए, जबकि एक पुलिस जवान बलिदान हो गया। घटनास्थल से पुलिस ने कार्बाइन समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार एसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सिहोरवा में छापेमारी की। सूचना मिली थी कि कुंदन टाकुर अपने गिरोह के सदस्यों के साथ हथियारों के साथ अपने एक दोस्त के घर में छिपा हुआ है। इस दौरान पुलिस की छापेमारी के दौरान वहां के बीच मुठभेड़ हो गई। मृतक बदमाश की पहचान कुंदन टाकुर पिता फूलदेन टाकुर, ग्राम बुलनांद, थाना चकिया और पिपाशु दुबे पिता संजय दुबे, ग्राम बसंतपुर, थाना साहेबनज, जिला मुजफ्फरपुर के रूप में हुई है। वहीं बलिदान एसटीएफ जवान की पहचान राम यादव के रूप में हुई है। घटना बीती रात 2-30 बजे की बताई जा रही है। मुठभेड़ में उज्जवल कुमार और उसके पिता संत कुमार तिवारी दोनों को गिरफ्तार गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि बदमाशों ने अपर थाना अध्यक्ष गौरव कुमार को फोन पर धमकी दी थी। घटनास्थल पर डीआईजी, एसपी समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है।

आरएसएस ने कभी गर्व करने वाला काम नहीं किया, सपा नेता ने प्रियंक खड़गे की मांग पर कहा

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक सघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंक खड़गे की मांग पर समाजवादी पार्टी के नेता आशुतोष वर्मा ने कहा कि आरएसएस ने कभी गर्व करने वाला काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस लोगों का गुगु है। इसके माध्यम से कुछ लोगों को लाभ दिलाने के लिए भाजपा व्यवस्था बनाकर चल रही है। इसतरह जब पीठ ठोकनी होती है, तब भाजपा और जब कुछ गलत करना हो, तब आरएसएस के माध्यम से कर लो। बिहार में हुए राज्यसभा चुनाव को लेकर सपा नेता वर्मा ने कहा कि देश की राजनीति में राज्यसभा का चुनाव काफी महत्वपूर्ण होता है। इसके बाद भी महागठबंधन में कांग्रेस के लोग साथ छोड़कर जा रहे हैं, तब इसका साफ मतलब है कि कांग्रेस में अभी भी इसतरह के लोग हैं, जिन्हें केवल विधायक और सांसद बनना है। उन्हें न विचारधारा से और न ही पार्टी से कोई मतलब है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस महागठबंधन को हर समय धोखा देती है। एलपीजी को लेकर उन्होंने कहा कि एलपीजी लेकर दो जहाजों के भारत पहुंचने पर साधुवाद, लेकिन क्या भारत सरकार बताएगी कि शिवालिक और नंदादेवी से आने वाले एलपीजी देश के कितने लोगों के लिए पर्याप्त है? उन्होंने कहा कि इन दोनों जहाजों में जितनी गैस है, वहां सिर्फ एक दिन के लिए है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार जबदरती अपनी पीठ थपथपा रही है।अभी 22 से 25 जहाज स्टेट ऑफ हॉर्मुज में फंसे हुए हैं।

भारत ने पाकिस्तान के ओमिद नशा मुक्ति उपचार अस्पताल पर किए गए हमलों की निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर पाकिस्तान द्वारा काबुल स्थित ओमिद नशा मुक्ति उपचार अस्पताल पर 16 मार्च की रात को किए गए हवाई हमले की निंदा की। भारत ने इन हमले को फ़क़ारस्तापूर्ण और अमानवीयफ़ बताकर कहा है कि किसी भी हालत में अस्पताल जैसे स्थान को सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता। बयान में आरोप लगाया गया कि पाकिस्तान क़स नरसंहार को सैन्य कार्रवाई बताकर वही ठहराने की कोशिश कर रहा है। भारत के अनुसार, यह हमला अफ़ग़ानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला है और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए गंभीर ख़तरा पैदा कर सकता है। यह हमला पाकिस्तान के ‘लापरवाह व्यवहार’ और अपनी आंतरिक समस्याओं को बाहरी हिंसा के द्वारा छिपाने की कोशिश का हिस्सा बताया गया। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बताया कि यह हमला रमजान के पवित्र महीने में किया गया, जो शांति और दया का समय होता है, इसलिए यह और भी निंदनीय है।अस्पताल और घरीजों को निशाना बनाने को किसी भी धर्म, कानून या नैतिकता से सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मांग की है कि इस हमले के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए और अफ़ग़ानिस्तान में नागरिकों को निशाना बनाना तुरंत बंद किया जाए।

पुलिस ने भारत-म्यांमार सीमा के पास पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के तेंगोपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि ये उग्रवादी पीआरडीएफ़ी, (पीपुल्स रिवाल्यूशनरी पार्टी ऑफ़ काम्योलिफ़, कंग्रैडैक्ल (कामलैईयावोल कन्ग्रा लुप) और ‘कामलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएन) से जुड़े हैं। ये गिरफ्तारियां रविवार को मोहरे पुलिस थाना क्षेत्र से हुईं। वहीं, एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने जिले के बोलजांग पहाड़ी क्षेत्र से विस्फोटक और छोटे हथियार बरामद किए। पुलिस ने बताया कि जब की गई वस्तुओं में आठ आईईडी, एक रिमोटाल, एक पिस्तौल की गेंगजीन, एक मोर्टार, दो रेडियो सेट और नौ कारतूस शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि बरामद की गई आईईडी को सुरक्षा प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार घटनास्थल पर ही नष्ट किया। भारत-म्यामा सीमा पर हाल के दिनों में बढ़ी हलचल को देखकर सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं। उग्रवादियों की गिरफ्तारी और हथियारों की बरामदगी को सुरक्षा तंत्र की एक बड़ी जीत माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में संभावित हिंसक गतिविधियों को टालने में मदद मिलेगी।

यूपी में मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद की चाकुआँ से गोदकर हत्या

गोरखपुर(एजेंसी)। , गोरखपुर में मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद की हत्या कर दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चार हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और चाकु से हमला कर दिया। हमले के बाद राजकुमार चौहान जान बचाने करीब 100 मीटर तक भागे, लेकिनहमलावरों ने पीछा कर दोबारा उन पर हमला किया। हमलावर पूर्व पार्षद राजकुमार के मरने तक इंतजार करते रहे जब उनकी मौत हो गई तो हमलावर मौके से फरार हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बदमाशों ने सीने, रीर और हाथ पर चाकु से कई वार किए। इसके बाद वे कुछ देर तक वहीं रुके रहे और उनके मरने का इंतजार करते रहे। जब उन्हें लगा कि पूर्व पार्षद की मौत हो गई है, तब वहां से भाग गए।

ईरान जंग खत्म कर सकता है भारत, अब फिनलैंड ने भी माना लोहा

फिनलैंड के राष्ट्रपति ने जयशंकर की कूटनीतिक पहलों की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान जंग से इनदिनों दुनिया त्रस्त हो चुकी है। ईरान अकेला इजरायल और अमेरिका से बदला ले रहा है। ईरान के जवाबी एक्शन से पूरा पश्चिम एशिया जल रहा है। यह ईरान-अमेरिका जंग कैसे खत्म होगी, किसी को कुछ भी पता नहीं है। लेकिन अब दुनिया कहने लगी है कि ईरान जंग को सिर्फ और सिर्फ भारत खत्म करवा सकता है। यूआई और ईरान के बाद अब फिनलैंड का भी कुछ ऐसा ही मानना है। फिनलैंड ने मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के बीच तुरंत युद्धविराम की मांग की है। फिनलैंड का मानना है कि भारत ही इस ईरान युद्ध को खत्म कर सकता है।

दरअसल फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्त्व ने सुझाव दिया कि भारत शांति करने में मदद कर सकता है। उन्होंने विदेश मंत्री एस.जयशंकर की हालिया कूटनीतिक पहलों का भी अपने बयान में जिक्र किया। जिसमें विदेश मंत्री जयशंकर ने ईरान युद्ध वाला तनाव कम करने की अपील की थी। फिनलैंड के राष्ट्रपति ने कहा, ‘हमें युद्धविराम की जरूरत है। मैं सोच रहा हूं कि क्या भारत सचमुच इसमें शामिल हो सकता है। फिनलैंड के



राष्ट्रपति स्त्व की यह टिप्पणी तब आई है, जब नई दिल्ली ने बढ़ते तनाव के बीच तेहरान के साथ अपना संपर्क बढ़ाया है। पिछले हफ्ते विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की थी।

बातचीत के दौरान ईरानी विदेश मंत्री

अराघची ने भारत को ईरान जंग पर ताजा घटनाक्रमों की जानकारी दी। इतना ही नहीं, उन्होंने संघर्ष को अमेरिका और इजरायल की आक्रामकता का नतीजा बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान अपने आत्मरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करने का इरादा रखता है।

भारी बर्फबारी के बाद अटल टनल की ओर आने-जाने वाले वाहनों पर लगाई रोक



-करीब 5000 पर्यटक सड़क पर फंस गए थे, मशीनों से बर्फ हटाने का काम जारी

मनाली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के चलते प्रशासन ने नेहरु कुंड से अटल टनल की ओर वाहनों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी है। दरअसल, अटल टनल क्षेत्र में रविवार को अचानक हुई भारी बर्फबारी ने हजारों पर्यटकों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। करीब 1000 से ज्यादा वाहनों में करीब 5000 पर्यटक सड़क पर फंस गए थे, लेकिन प्रशासन, पुलिस और बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन की टीमों ने रेस्क्यू अभियानलांघान चलाकर सोमवार तक सभी लोगों को सुरक्षित मनाली पहुंचाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीएसपी मनाली ने बताया कि भारी बर्फबारी से सड़कों पर बर्फ जम गई, जिससे फिसलन वाले रास्तों पर वाहन चलाना मुश्किल था। कई पर्यटकों को अपनी गाड़ियां छोड़कर पैदल या मदद से सुरक्षित जगह पहुंचना पड़ा। वहीं, कुछ टैक्सि ड्राइवर अभी भी अपने वाहनों के साथ टनल के

आस-पास मौजूद हैं, लेकिन सभी लोग सुरक्षित हैं। सड़क ठीक होने पर उन्हें मनाली भेज दिया जाएगा। अटल टनल के साउथ पोर्टल के पास भारी बर्फ जमा हो गई है। इसलिए यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया है। नेहरु कुंड और सोलंग नाला में 24 घंटे के लिए बैरियर लगाए गए हैं। पुलिस की नियामती में केवल आपातकालीन वाहन जैसे एंबुलेंस, पुलिस गाड़ियां, फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों को छोटे वाहनों से ही जाने की इजाजत है।

रिपोर्ट के मुताबिक कुल्लू के उपायुक्त ने कहा कि बीआरओ की टीमें लगातार भारी मशीनों से बर्फ हटा रही हैं। सड़क को जल्द से जल्द साफ करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अभी जोखिम ज्यादा है, इसलिए ट्रैफिक बंद कर दिया गया है। इस बीच, मौसम विभाग ने भारी बर्फबारी और बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने सभी पर्यटकों और स्थानीय लोगों से अपील की है कि मौसम और सड़क की स्थिति पूरी तरह सामान्य होने तक अटल टनल, सोलंग वैली की ओर जाने से बचें।

ओडिशा में क्रॉस वोटिंग करने वाले 3 विधायकों के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में कांग्रेस

रमेश चंद्र जेना, दसरथी गोमांगो और सोफिया फिरदौस का नाम

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में क्रॉस वोटिंग के कारण राज्यसभा चुनाव में हारने वाली कांग्रेस ने अब बागी विधायकों पर एक्शन लेने की तैयारी में है। कांग्रेस पार्टी ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप रे के लिए वोट डालने वाले तीन विधायकों को निर्लंबित किया है। ये विधायक हैं सनाछेमुंडी रमेश चंद्र जेना, मोहाना के दसरथी गोमांगो और कटक से महिला विधायक सोफिया फिरदौस का नाम शामिल है। इन लोगों ने सोमवार को हुए राज्यसभा चुनाव में पार्टी की हिदायत के बाद भी रे के समर्थन में वोट किया था। इन विधायकों के निर्लंबन की जानकारी देकर ओडिशा कांग्रेस ने लिया, कांग्रेस को थोखा देने वालों ने देश के साथ विश्वासघात किया है।

ओडिशा कांग्रेस के मीडिया सेल के प्रभारी अरविंद दास ने कहा कि यह निर्णय पूरी प्रक्रिया

की समीक्षा करने के बाद हुआ है। इन लोगों ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के हितों के खिलाफ काम किया। वे भी तब जबकि सभी विधायकों को पहले से ही हिदायत दी गई थी। उन्होंने कहा कि अब इन लोगों की विश्वाससभा की सदस्यता ही खत्म करने की तैयारी है। इसके लिए हम स्पीकर को जल्दी ही नोटिस देने वाले हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा कि इन लोगों से ऐसी उम्मीद नहीं थी। इन विधायकों ने पार्टी के साथ गद्दारी की है। हम तय कर रहे हैं कि कैसे संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत इन लोगों को विश्वाससभा से बाहर कराए।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस एक्शन की कांग्रेस हाईकमान ने भी सराहना की है। लीडरशिप मानती है कि इन लोगों के खिलाफ एक्शन होना जरूरी था। इन कांग्रेस विधायकों के अलावा मुख्य विपक्षी दल बीजेडी के भी 8 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। इसकारण विपक्ष के साझा उम्मीदवार दत्तेश्वर होता की हार हो गई। माना जा रहा है कि कांग्रेस ऐसा ही एक्शन बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों में भी ले सकती है। बिहार में भी विपक्षी कैंडिडेट को हार मिली है, जबकि वह एक उम्मीदवार जिताने की स्थिति में आसानी से था।

हरियाणा में किसी तरह कांग्रेस के कैंडिडेट कर्मवीर सिंह बौद्ध को जीत मिली। फिर भी भाजपा की रणनीति के आगे पार्टी हाफती नजर आई। यहां भी 5 विधायकों ने पार्टी से अलग रुख अपनाया और क्रॉस वोटिंग कर दी। इसके अलावा 4 वोट अवैध करार किए। इस तरह 37 सीटों वाली कांग्रेस के कैंडिडेट को महज 28 वोट ही मिले। ऐसी स्थिति में कांग्रेस यह पड़ताल करने में जुटी है कि आखिर हरियाणा और बिहार में किन नेताओं ने उसके ही कैंडिडेट को वोट नहीं दिया।

विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। इसकारण विपक्ष के साझा उम्मीदवार दत्तेश्वर होता की हार हो गई। माना जा रहा है कि कांग्रेस ऐसा ही एक्शन बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों में भी ले सकती है। बिहार में भी विपक्षी कैंडिडेट को हार मिली है, जबकि वह एक उम्मीदवार जिताने की स्थिति में आसानी से था।

हरियाणा में किसी तरह कांग्रेस के कैंडिडेट कर्मवीर सिंह बौद्ध को जीत मिली। फिर भी भाजपा की रणनीति के आगे पार्टी हाफती नजर आई। यहां भी 5 विधायकों ने पार्टी से अलग रुख अपनाया और क्रॉस वोटिंग कर दी। इसके अलावा 4 वोट अवैध करार किए। इस तरह 37 सीटों वाली कांग्रेस के कैंडिडेट को महज 28 वोट ही मिले। ऐसी स्थिति में कांग्रेस यह पड़ताल करने में जुटी है कि आखिर हरियाणा और बिहार में किन नेताओं ने उसके ही कैंडिडेट को वोट नहीं दिया।

ईरान वाहंगा तो टूकेगी लड़ाई

अजार ने कहा कि हम युद्ध के बीच हर प्रकार की शत्रुता को समाप्त करने के पक्ष में हैं यानी लड़ाई को रोकना चाहते हैं। लेकिन इसके

ईरान जंग खत्म कर सकता है भारत, अब फिनलैंड ने भी माना लोहा

फिनलैंड के राष्ट्रपति ने जयशंकर की कूटनीतिक पहलों की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान जंग से इनदिनों दुनिया त्रस्त हो चुकी है। ईरान अकेला इजरायल और अमेरिका से बदला ले रहा है। ईरान के जवाबी एक्शन से पूरा पश्चिम एशिया जल रहा है। यह ईरान-अमेरिका जंग कैसे खत्म होगी, किसी को कुछ भी पता नहीं है। लेकिन अब दुनिया कहने लगी है कि ईरान जंग को सिर्फ और सिर्फ भारत खत्म करवा सकता है। यूआई और ईरान के बाद अब फिनलैंड का भी कुछ ऐसा ही मानना है। फिनलैंड ने मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के बीच तुरंत युद्धविराम की मांग की है। फिनलैंड का मानना है कि भारत ही इस ईरान युद्ध को खत्म कर सकता है।

यूई और ईरान भी यही दावा कर चुके

इसके पहले ईरान और यूई भी मान चुके हैं कि पश्चिम एशिया की तबाही को भारत रोक सकता है। दुनिया में भारत इकलौता देश है, जिसके दोनों पक्षों से बेहतर संबंध हैं। भारत वैसे भी हमेशा से ही शांति का पक्षधर रहा है। बीते दिनों ईरान ने कहा था कि भारत युद्ध रकवा सकता है और खत्म करने में रचनात्मक भूमिका निभा रहा है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात के पहले राजदूत हुसैन हसन भी कहा था कि भारत बातचीत और कूटनीति के जरिए ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करवा सकता है।

बंगाल चुनाव में ममता बनाव शुभेंदु अधिकारी... राज्य की सबसे हॉट सीट बनी भवानीपुर

शुभेंदु अधिकारी को बीजेपी की ओर से नंदीग्राम सीट से भी उतारा गया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी के बीच सीधा चुनावी मुकाबला होना तय हो चुका है। भाजपा ने बंगाल में 144 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। इस सूची के मुताबिक शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम सीट से उतारा गया है, जहां से उन्होंने पिछली बार ममता बनर्जी को हराया था। इसके अलावा भवानीपुर से भी वह मुकाबले में उतरे हैं, जहां से फिलहाल ममता विधायक हैं। अब टीएमसी की ओर से ममता बनर्जी ने भी ऐलान किया हैं कि वे खुद भवानीपुर से ही उतरेंगी। इस तरह साफ हो गया है कि पिछली बार नंदीग्राम वाली स्थिति भवानीपुर में होगी।

नंदीग्राम से ममता के शुभेंदु अधिकारी के मुकाबले हराने काफी चर्चा हुई थी। बताया जा



रहा है कि इस बार भवानीपुर में हाईवोल्टेज मुकाबला देखने को मिल सकता है। ममता ने कहा कि हम राज्य में 226 सीटें जीतकर

लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी करने वाले हैं। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर भी तीखा हमला बोला है। दीदी ने कहा कि इंद से ठीक

स्कूल से मिड-डे मील का सिलेंडर चुराकर भाग रहे चोरों को आ गई नींद, खेत में सोते वक्त पकड़ा

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से चोरी का एक बेहद अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहाँ चोरों ने एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय को अपना निशाना बनाया। दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र के सराय शाह आलम गांव स्थित इस स्कूल में चोरी ने मिड-डे मील की रसोई का ताला तोड़कर एलपीजी गैस सिलेंडर पर हाथ साफ कर दिया। हालांकि, चोरी की चालाकी ज्यादा देर तक नहीं चल सकी और सुबह होते ही एक आरोपी रंगे हाथों पकड़ लिया गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह जब गांव के प्रधान प्रतिनिधि फूरकान अहमद टहलने के लिए निकले थे, तब उनकी नजर सरसों के एक खेत में संदिग्ध गतिविधि पर पड़ी। उन्होंने देखा कि एक युवक चोरी का सिलेंडर छिपाने की कोशिश कर रहा है। संदेह होने पर उन्होंने तत्काल स्कूल के किचन की जांच की, जहाँ ताला टूटा हुआ मिला। फूरकान अहमद ने सूझबूझ का परिचय देते हुए घेराबंदी की और मौके से गयास नाम के युवक को दबोच लिया। घटना की सूचना तुरंत डायल 112 को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी गयास ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि इस चोरी में उसका साथी लवकुश भी शामिल था। पकड़े जाने के डर से उन लोगों ने सिलेंडर को सरसों के खेत में छिपा दिया था ताकि बाद में उसे ठिकाने लगाया जा सके। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर खेत से चोरी किया गया सिलेंडर बरामद कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी लवकुश फिलहाल फरार है।दरियाबाद कोतवाली प्रभारी धर्मेद कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि गयास को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। फरार अभियुक्त की तलाश में पुलिस टीमें दौड़ते दौड़ी हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की किल्लत और बढ़ती मांग के कारण इस तरह की छोटी चोरियों की घटनाओं में इजाफा हुआ है। फिलहाल, पुलिस अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ कर रही है।

दिल्ली-एनसीआर में प्री-मानसून सक्रिय, फिर होगी बारिश तापमान में आएगी गिरावट

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में प्री-मानसून सीजन की शुरुआत हो गई है और रविवार 15 मार्च को हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश बहुत तेज नहीं थी, लेकिन इसका दायरा बढ़ा था। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी हल्की बारिश हुई। रविवार सुबह से ही उत्तरी मैदानी इलाकों में बारिश की गतिविधियां थीं। इसके बाद मौसम में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिला।

मौसम एजेंसी के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में इस सप्ताह के दौरान एक-दो बार और बारिश होने की संभावना है। गिरावट को हुई बारिश से तापमान में गिरावट आई है, जिससे पिछले कई दिनों से पड़ रही गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिली है। इससे पहले एक सप्ताह से ज्यादा समय तक अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ था। 7 से 12



मार्च के बीच लगातार छह दिनों तक तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया था और 11 मार्च को अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। 15 मार्च को 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस महीने का अब तक का सबसे कम तापमान है, हालांकि यह सामान्य से 1.2 डिग्री ज्यादा था।

मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पहाड़ी इलाकों के

हवा में कांपने लगा एयर इंडिया का विमान, 300 यात्रियों की सांसे अटकी, करानी पड़ी लैंडिंग



नई दिल्ली (एजेंसी) न्यूयॉर्क से दिल्ली की लंबी उड़ान पर निकले एयर इंडिया के विमान (फ्लाइट एआई102) में तकनीकी खराबी के बाद हवा में हड़कंप मच गया। उड़ान भरने के करीब 6 घंटे बाद, जब विमान विशाल अटलांटिक महासागर के ऊपर था, तब यात्रियों ने अचानक तेज कंपन और डरावना शोर महसूस किया। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए पायलट ने बिना देरी किए विमान को अयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया। फ्लाइट ट्रेकिंग वेबसाइट्स के आंकड़ों के अनुसार, आपातकालीन लैंडिंग से पहले यह विमान लगभग छह घंटे तक हवा में रहा, जिस दौरान यात्री गहरे तनाव और अनिश्चितता के साये में रहे। 15 मार्च को न्यूयॉर्क से रवाना हुआ यह विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 4-30 बजे अयरलैंड में सुरक्षित लैंड कर लिया गया। हेरानी की बात यह है कि जिस विमान में यह गंभीर तकनीकी समस्या आई, वह एयर इंडिया के बड़े का बिल्कुल नया और अत्याधुनिक एयरबस ए 350 मॉडल है। इस विमान को अभी पिछले साल अप्रैल 2024 में ही सेवा में शामिल किया गया था। नई तकनीक और आधुनिक सुरक्षा मानकों से लैस इस विमान में अचानक कंपन और शोर की समस्या ने विशेषज्ञों और एयरलाइन प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया कि यह एक एहतियाती लैंडिंग थी ताकि किसी भी संभावित बड़ी अनहोनी को टाला जा सके। सुरक्षा मानकों के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता, इसलिए विमान को डायपर्ट करने का निर्णय लिया गया। फिलहाल, विमान शैनन एयरपोर्ट पर खड़ा है जहाँ इंजीनियरों की टीम खराबी के कारणों की बारीकी से जांच कर रही है। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताते हुए उन्हें दिल्ली पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने का आश्वासन दिया है।



पर लगे बड़े-बड़े अधिकारियों के ट्रांसफर चुनाव आयोग कर रहा है। ऐसा लगता है कि बंगाल चुनाव से पहले राज्य में दंगे करने की तैयारी है।

ममता ने कहा कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग ये सबकुछ कर रहा है। यदि राज्य में कोई भी अग्रिय घटना होती हैं, तब उसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग और भाजपा की होगी। उन्होंने कहा कि पूरा खेल चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर कर रहा है। इस तरह ममता बनर्जी ने संकेत दे दिए हैं कि वह चुनाव आयोग पर भी सीधे निशाना साधेगी।

पहले ही वह एसआईआर को लेकर इलेक्शन कमिशन को टारगेट करती रही हैं। बता दें कि 2021 के विधासभा चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला हुआ था।

ऊपर सक्रिय है, लेकिन दिल्ली में 17-18 मार्च तक ज्यादा प्री-मानसून गतिविधियां देखने को नहीं मिलेंगी। इसके बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ सकता है। इसके प्रभाव से राजस्थान के ऊपर एक प्रेति चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जो धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ेगा। 19 से 21 मार्च के बीच दिल्ली और आसपास के इलाकों में एक टूफ़ रेखा बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 19 और 20 मार्च को दिल्ली-एनसीआर में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 21 मार्च को भी इसका हक्का असर बना रह सकता है, हालांकि उस दिन मौसम जल्दी साफ होने की उम्मीद है। 22 मार्च से मौसम में सुधार देखने को मिल सकता है, लेकिन अगले सप्ताह भी कुछ स्थानों पर हल्की मौसम गतिविधियां जारी रह सकती हैं।





चैत्र नवरात्रि केवल व्रत और पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह मंत्र+यज्ञ (अग्निहोत्र) के माध्यम से देवी शक्ति जागरण का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक काल है। वैदिक काल से यज्ञ को देवताओं तक ऊर्जा पहुँचाने का सर्वोच्च माध्यम माना गया है।==
1 वेदोक्त आधार– यज्ञ की मूल परम्परा यज्ञ का मूल स्रोत है ऋग्वेद अग्नि को कहा गया।

'देवताओं का मुख और वाहक'। वेद सिद्धांतः अग्निमुखँ हविर्भांगः आहुति ' अग्नि ' देव शक्ति तक पहुँचती है। नवरात्रि में यज्ञ= वेदोक्त साधना। शास्त्रोक्त आधार– देवी यज्ञ का विधान। देवी उपासना का आधार है दुर्गा सप्तशती। इसमें वर्णितः नवचंडी यज्ञ, हवन विधि, आहुति का महत्व।

निष्कर्ष

मंत्र+यज्ञ=देवी पूर्ण संतुष्टि
यज्ञ का आध्यात्मिक विज्ञान कैसे कार्य करता है'
मंत्र (ध्वनि)+अग्नि (ऊर्जा)= सूक्ष्म शक्ति
परिणामः वातावरण शुद्ध, नकारात्मक ऊर्जा नाश, मन, बुद्धि और प्राण संतुलन।

देवी आराधना में यज्ञ का महत्व

त्वरित फलदायक आहुति सीधे देवी तक पहुँचती है। सामूहिक ऊर्जा समूह यज्ञ से ऊर्जा क्षेत्र बनता है। दोष शांति— ग्रह दोष, पितृ दोष, वास्तु दोष। स्वास्थ्य लाभ— वातावरण शुद्ध, रोगाणु नाश। साधना का क्रम— पूजा ' जप ' हवन ' यज्ञ ' महायज्ञ, जप से अधिक प्रभाव हवन में। हवन से अधिक प्रभाव यज्ञ में। यज्ञ सर्वोच्च साधना मानी गई है।

विशेष वेदोक्त एवं शास्त्रोक्त मंत्र

चैत्र नवरात्रि के दौरान किया जाने वाला यज्ञ (हवन) साक्षात देवी को आहुति पहुँचाने का सबसे सशक्त माध्यम माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार मंत्रों के साथ यई आहुति देवताओं का 'आहार' होती है। यहाँ चैत्र नवरात्रि के लिए विशेष वेदोक्त (वैदिक) और शास्त्रोक्त (पौराणिक) यज्ञ मंत्र दिए गए हैं:
प्रधान वेदोक्त मंत्र (वैदिक हवन)। यज्ञ की शुरूआत में अग्नि प्रज्वलित करने और मुख्य आहुति के लिए इन ऋचाओं का उपयोग किया

मौसम में होगा परिवर्तन



नवरात्रि में 19 से 21 मार्च के बीच अफगानिस्तान, पाकिस्तान से लेकर जम्मू कश्मीर, दिल्ली हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, नेपाल, भूटान, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, बंगाल, बांग्लादेश, पूर्वोत्तर भारत के अलावा जौनपुर सहित आस–पास झंझा झकोर घन गर्जन वज्रपात वारिदमाला आंखों को चकाचौंध कर देने वाली बिजली की चमक और भयंकर गरज तेज हवाएं और हल्की मध्यम कहीं–कहीं तेज वर्षा के संकेत हैं।

पूरे भारत में मौसम परिवर्तन के बाद अब जौनपुर सहित आस–पास मौसम परिवर्तन की बारी है। आज 178 मार्च को सुबह 5 से सायं 5 बजे तक जौनपुर सहित आस–पास काफी घने मध्यम बादल छाए रहेंगे लेकिन वर्षा नहीं होगी। अधिकतम तापमान 35 और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस बीच हवा की दिशा दक्षिणी दक्षिणी पूर्वी और गति 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। प्रदूषण की मात्रा कम होगी और वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 से 160 हो जाने से हवा काफी ताजी और स्वच्छ महसूस होगी पराबैंगनी किरणों की तीव्रता 4-6 रहेगी जो

मध्यम है।

कल के मौसम के बारे में अनुमान है कि अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा की दिशा बदलकर पूर्वी उत्तरी पूर्वी हो जाएगी।हवा की दिशा 3-4 दिन लगातार परिवर्तित होती रहेगी। बाकी वह गुणवत्ता सूचकांक पराबैंगनी किरणों की तीव्रता प्रदूषण और गंदगी की मात्रा आज की तरह ही विद्यमान रहेगी। तापमान और अन्य दशाएं भी लगभग इसी तरह रहेंगे।

19 मार्च से मौसम में और भी तेज परिवर्तन होगा और बादलों की आवाजाही बहुत तेज हो



जाएगी। ?इसके बाद 20-21 मार्च के दिन माता रानी का अभिषेक करने के लिए जौनपुर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ , भदोही, सोनभद्र, प्रयागराज, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, गाजीपुर सहित आस–पास के जनपदों में कहीं–कहीं बूंदबादी तो कहीं हल्की मध्यम वर्षा के योग

हैं। कहीं–कहीं झंझा झकोर घन गर्जन वज्रपात वारिदमाला आंखों को चकाचौंध कर देने वाली बिजली की भीषण चमक और भयंकर गरज के साथ तेज से बहुत तेज वर्षा हवाओं और वज्रपात के साथ कहीं ओलावृष्टि भी होगी।

यह मौसम के परिवर्तन की सारी गतिविधियां पश्चिम के हल्के विक्षोभ के कारण और अरब सागर बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न दबाव और जल की सतह गर्म होने के कारण बन रहे हैं। रौद्र ?नाम का नया वर्ष अपना रौद्र रूप पूरे भारत में दिखाएगा। हमारे केंद्र द्वारा पहले भी लिखा गया था कि मार्च बहुत ही परिवर्तित हलचल वाला और बूंदबांदी वर्षा झंझा झकोर घन गर्जन वज्रपात वारिदमाला आंखों को चकाचौंध कर देने वाली बिजली की चमक गरज वाला वृष्टि और हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में प्रचंड बर्फबारी का होगावाला मौसम रहेगा। कहीं–कहीं ओलावृष्टि हो सकती है लेकिन जौनपुर और आसपास ऐसी कोई अधिक संभावना नहीं है।

20 मार्च से तापमान में अचानक बहुत तेज गिरावट आएंगे और यह 36 डिग्री से घटकर 32 डिग्री हो जाएगा और न्यूनतम तापमान भी 22 23 डिग्री से घटकर 17 18 डिग्री तक आ जाएगा और 22 मार्च से मौसम फिर सामान्य हो जाने की आशा है। इसके बाद एक सप्ताह से 10 दिन का मौका किसानों को अपने फसल काटने और उसको मड़ाई करने के लिए मिलेगा। इस अवसर का लाभ सभी को उठाना चाहिये। मार्च के अंतिम भाग और अप्रैल के प्रथम सप्ताह में मौसम में एक बार फिर से परिवर्तन देखने को मिलेगा।

डा. दिलीप सिंह
मौसम विज्ञानी, ज्योतिष शिरोमणि

चैत्र नवरात्रि: यज्ञ द्वारा देवी शक्ति जागृति का उत्तम समय



जाता है: अग्नि प्रदीप मंत्र: ॐ भूधुवै: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात् स्वाहा ॥ (गायत्री मंत्र सबसे प्रधान वेदोक्त मंत्र है, जिसकी आहुति सर्वसिद्धि दायक है।) दुर्गा सूक्त ऋचा (ऋग्वेद): जातवेदसे सुनवाम सोममरातीयतो निदहाति वेदः। स न: पर्षदति दुर्गाणि विश्वा नावेव सिन्धुं दुरितात्यग्निः स्वाहा ॥

शास्त्रोक्त नवार्ण मंत्र यज्ञ

नवरात्रि में सबसे अधिक आहुतियां इसी मंत्र से दी जाती हैं। यह मां के तीनों रूपों को जाग्रत करता है: ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे स्वाहा॥ दुर्गा सप्तशती के 'सिद्ध सम्पुट' यज्ञ मंत्र। यदि आप विशेष फल चाहते हैं, तो 'सप्तशती' के इन मंत्रों के साथ आहुति दें (प्रत्येक मंत्र के अंत में 'स्वाहा'

बासंतिक नवरात्र में मां नवदुर्गा शक्ति स्वरूप का विशेष पूजन

सनातन धर्म में चैत्र नवरात्र का विशेष महत्व है। चैत्र नवरात्र देवी मां दुर्गा को समर्पित होता है। मां दुर्गा की पूजा करने से सुखों में वृद्धि होती है। इस बार 19 मार्च 2026 से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत है जो 27 मार्च को समाप्त होगी। यह नौ दिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की भव्य पूजा को समर्पित है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरूआत होती है। इसका समापन नवमी तिथि पर किया जाता है। यह नौ दिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों को भव्य पूजा को समर्पित है। इस अवधि में मां दुर्गा उपासना दुर्गा सप्तशती पाठ पूजन करने से साधक की सभी समस्याएं समाप्त होती हैं। साथ ही मां दुर्गा की विशेष कृपा भी प्राप्त होती हैं। कहते हैं कि नवरात्रि के दिनों में देवी पृथ्वी लोक पर आती हैं, इसलिए उनकी आराधना पूजन हमेशा विधि विधान से करनी चाहिए। इस बार चैत्र नवरात्रि में माता रानी पालकी पर सवार होकर आ रही हैं। मां दुर्गा की विदाई हाथों पर होगी।

बता दें कि देवी दुर्गा का वाहन सिंह होता है लेकिन जब माता रानी नवरात्रि में पृथ्वीलोक पर आती हैं तब उनकी सवारी बदल जाती है। नवरात्रि में मां अंबे का वाहन का अलग-अलग संकेत देता है। पालकी पर सवार होकर आ रही हैं जो बेहद शुभ और धन लाभ का संकेत है। इस संयोग में माता की पूजा पूर्ण विधि से करने पर वह प्रसन होती है और सभी दुखों को हरती है। ऐसे में नवरात्रि के पहले दिन की पूजा विधि के बारे में विस्तार से जानते हैं। पूजा से पहले कलश स्थापना का विधान है।

सबसे पहले एक पके मिट्टी के पात्र को लेकर थोड़ी सी मिट्टी पात्र के नीचे डाल दें। फिर इस पात्र में जौ के बीज डालकर उसे मिलाएं। इसके बाद मिट्टी के पात्र पर पानी से छिड़काव करें। अब आप एक लीटा लेकर उसपर स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं। उसके ऊपरी हिस्से में मौली बांधकर साफ जल भरें। इस जल में दूब, अक्षत, सुपारी और कुछ पैसे रख दें। अशोक की पत्तियां कलश के ऊपर रख दें। अब पानी के एक नारियल को लाल चुनरी से लपेटकर मौली बांध दें। नारियल को कलश के बीच चावल में रख दें और बाद में इसे पात्र के मध्य में स्थापित कर दें। नवरात्रि की पूजा से पहले विधि-विधान से शुभ

लगाएं): विपत्ति नाश के लिये। 'शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे। सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणि नमोऽस्तु ते स्वाहा॥' रोग और शोक मुक्ति के लिए: 'रोगानशेषानपहर्हिस् तुष्टा रुष्टा तु कामान् सकलानभीष्टान्। त्वामाश्रितानां न विपन्नराणां त्वामाश्रिता ह्यश्रवतां प्रयान्ति स्वाहा॥' * भय नाश के लिए 'सर्वस्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयेभ्यस्त्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तु ते स्वाहा।'

दशमहाविद्या और योगिनी यज्ञ मंत्र

तांत्रिक या विशेष अनुष्ठान में मां के उग्र रूपों की शांति और कृपा के लिए: ॐ ह्रीं दुं दुर्गायै स्वाहा॥ (दुर्गा बीज मंत्र) ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा॥ (कार्य सिद्धि के लिए गणेश आहुति)। यज्ञ (हवन) की सामग्री और विधि। यज्ञ की पूर्णता के लिए सही सामग्री का चुनाव भी शास्त्रोक्त होना चाहिए: -मनोरथ विशेषआहुति सामग्री लक्ष्मी प्राप्तिकमल गुट्टा, बेल फल का गुद्दा और शुद्ध घी। शत्रु बाधा शांति पीली सरसों और मूंगल। सर्व सुख/शांति पंचमेवा, जौ, तिल और चीनी मिश्रित हविय रोग मुक्ति गिलोय (टुकड़े), शहद और घी।

महत्त्वपूर्ण निर्देश: स्वाहा का उच्चारण: प्रत्येक मंत्र के अंत में 'स्वाहा' शब्द का उच्चारण अनिवार्य है, क्योंकि स्वाहा को अग्नि की शक्ति और दक्ष प्रजापति की पुत्री माना गया है जो आहुति को देवताओं तक ले जाती है। मुद्रा: आहुति देते समय हाथ की 'मुगी मुद्रा' (अंगूठा, मध्यमा और अनामिका उंगली का मेल) का प्रयोग करें। कनिष्ठा और तर्जनी उंगली का प्रयोग आहुति देते समय वर्जित है।

मंत्र यज्ञ के लाभ— भौतिक: वातावरण शुद्ध, स्वास्थ्य लाभ। मानसिक: मन शांत, निर्णय क्षमता। आध्यात्मिक: देवी कृपा, भाग्य जागरण। घर पर सरल हवन विधि: स्नान कर शुद्ध वस्त्र पहनें। अग्नि प्रज्वलित करें। देवी का ध्यान करें। 11/21/ 108 आहुति दें। मंत्र: ॐ दुं दुर्गायै नमः स्वाहा। निष्कर्ष— चैत्र नवरात्रि में मंत्र+यज्ञ+श्रद्धा के माध्यम से ऊर्जा शुद्धि, बाधा निवारण, जीवन में सकारात्मक परिवर्तन प्राप्त होते हैं।

ज्योतिर्विद सुबोध पाण्डेय
देवलोक कालोनी, हापुड़
सम्पर्क सूत्र 9634408321

मुहूर्त में घट स्थापना (कलश स्थापना) 19 मार्च 2026 को की जाएगी। मुख्य शुभ मुहूर्त सुबह 06:52 बजे से 07:43 बजे तक (51 मिनट) है। यदि सुबह का समय छूट जाए तो अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 12:05 बजे से 12:53 बजे तक घटस्थापना की जा सकती है। घट स्थापना करें। वहीं नवरात्रि के पहले दिन शैलपुत्री माता की पूजा की जाती है। आप पूजा करने के लिए सबसे पहले अभ्यारी करें और उसपर लौंग का जोड़ा रखें अब देवी के समक्ष ज्योति जलाएं। फिर कुछ मौसमी फल और बताशे प्रसाद के रूप में रखें। अब कुमकुम, हल्दी, सफेद चंदन, अक्षत, सिंदूर अर्पित करें। इसके अलावा आप पान, सुपारी, लौंग, नास्थिल 16 श्रृंगार का सामान चढ़ा सकते हैं। नवरात्रि के पहले दिन देवी को सफेद रंग का पुष्प अर्पित करें। फिर दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।

चैत्र नवरात्र तिथि पहला दिन- 19 मार्च को मां शैलपुत्री की पूजा। दूसरा दिन- 20 मार्च को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा। तीसरा दिन- 21 मार्च को मां चंद्रघंटा की पूजा। चौथा दिन- 22 मार्च को मां कूष्मांडा की पूजा। पांचवां दिन- 23 मार्च को मां स्कंदमाता की पूजा। छठवां दिन- 24 मार्च को मां कात्यायनी की पूजा। सातवां दिन- 25 मार्च को मां कालरात्रि की पूजा। आठवां दिन- 26 मार्च को मां गौरी 27 मार्च नवमी तिथि में मां सिद्धिदात्री की पूजा होगी। वासंतिक (चैत्र) नवरात्रि हिंदू नववर्ष (नवसंवत्सर) की शुरूआत में माँ दुर्गा के नौ रूपों की पूजा का यह पावन पर्व जो शक्ति, शुद्धि और नई ऊर्जा का प्रतीक है। नौ दिनों के इस उपवास से आध्यात्मिक उन्नति, नकारात्मकता का नाश और रामनवमी के साथ धर्म की ध्वजा विजय सुनिश्चित होती है जो भक्त के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है।

विवेकानन्द पंडा
महंत सिद्धपीठ शीतला चौकियां धाम मन्दिर
जौनपुर, उत्तर प्रदेश।

छोटी सी आदत मगर आंखों के लिये बड़ा सुकून

(एजेंसी)। आज के डिजिटल युग में मोबाइल, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन के लगातार इस्तेमाल से आंखों में थकान, जलन और भारीपन होना आम समस्या बन गई है। कई बार नजर धुंधली लगने लगती है और फोकस करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आई मसाज पॉइंट्स आंखों को आराम देने और थकान कम करने का आसान तरीका बन सकते हैं।डॉक्टरक के अनुसार, आंखों के आसपास मौजूद कुछ खास पॉइंट्स को हल्के हाथों से मसाज करना आंखों को रिलैक्स करने में मदद करता



है। सिर्फ कुछ सेकंड की ये आसान मसाज आंखों की थकान और स्क्रीन स्ट्रेस कम कर सकती है। आंख के अंदरूनी कोने का पॉइंट यह पॉइंट नाक और आंख के बीच, आंख की हड्डी के पास होता है। हल्के हाथ से गोल-गोल मसाज करने से नजदीक देखने से होने वाली थकान कम होती है।मसाज के बाद पढ़ते या स्क्रीन देखते समय नजर ज्यादा साफ महसूस होती है। आंख के बाहरी कोने (कनपटी की ओर) का पॉइंट आंख के बाहरी किनारे से थोड़ा बाहर, कनपटी की

और माथे की खिंचाव कम होती है। आंख के नीचे गाल की हड्डी वाला पॉइंट आंख के नीचे गाल की हड्डी के किनारे मौजूद यह पॉइंट है। तर्जनी उंगलियों से हल्के गोल घुमाने पर सूजन, पफोनेस और थकान में राहत मिलती है। आंखों के नीचे का हिस्सा हल्का और फ्रेश महसूस होता है। बेहतर असर के लिए टिप्स हर 20-30 मिनट में स्क्रीन से ब्रेक लें।

कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान, मिलेगा सही विकल्प

(एजेंसी)।कॉम्पैक्ट पाउडर एक जरूरी मेकअप प्रोडक्ट है, जो चेहरे को सेट करने और चमक को कम करने में मदद करता है। यह मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने में भी

समझें कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदते समय सबसे पहले अपनी त्वचा के प्रकार को समझना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो मैट फिनिश वाला

आरामदायक हों। **सही रंग का चयन करें** कॉम्पैक्ट पाउडर का रंग आपके स्किन टोन से मेल खाना चाहिए ताकि यह प्राकृतिक दिखे। अपने स्किन

स्वाभाविक और सुंदर दिखेगा। **फॉर्मूला पर दें ध्यान** कॉम्पैक्ट पाउडर के फॉर्मूला पर भी ध्यान देना चाहिए। बाजार में मैट, चमकदार और हल्का फॉर्मूला



सहायक होता है। सही कॉम्पैक्ट पाउडर का चयन करना जरूरी है ताकि यह आपकी त्वचा के प्रकार और जरूरतों के अनुसार हो। आइए जानते हैं कि कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।त्वचा के प्रकार को

पाउडर चुनें, जो अतिरिक्त तेल को सोख सके।सूखी त्वचा वालों के लिए नमी देने वाला फॉर्मूला बेहतर होता है, जिससे त्वचा को नमी मिलती है। संवेदनशील त्वचा वाले लोग ऐसे पाउडर चुनें, जिनमें कम रसायन हों और जो बिना किसी जलन के

टोन से एक या दो शेड हल्का या गहरा चुनें। इसे टेस्ट करने के लिए अपने हाथ या गर्दन पर थोड़ा-सा पाउडर लगाएं और देखें कि यह कैसे दिखता है। अगर यह आपकी त्वचा के रंग से मेल खाता है तो यही सही विकल्प होगा। इससे आपका मेकअप

उपलब्ध होते हैं। मैट फॉर्मूला तैलीय त्वचा वालों के लिए अच्छा होता है क्योंकि यह लंबे समय तक मैट फिनिश देता है। चमकदार फॉर्मूला सूखी त्वचा वालों को चमकदार लुक देता है, जबकि हल्का फॉर्मूला सभी प्रकार की त्वचा पर अच्छा लगता है

आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़े कप्तान शुभमन गिल



अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के लिए शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़ गए हैं। गुजरात की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन के लिए जमकर तैयारी कर रही है और नाथद्वारा के मिंगज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में प्री-सीजन कैप के साथ उनकी तैयारियां जोरों पर हैं।

आईपीएल 2026 में गुजरात अपने अभियान का आगाज 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुम्बईपुर में करेगी। गुजरात अपने घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। सीजन के पहले चरण के शेड्यूल के मुताबिक गुजरात दो मुकाबले घर में और 2 घर से बाहर खेलेगी।

गुजरात टाइटंस आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है। टीम ने चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ का टिकट कटया है। वहीं, 2022 में गुजरात टाइटंस चैंपियन भी बनी थी। आगामी सीजन के लिए गुजरात ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को अपना बैटिंग कोच नियुक्त करने की घोषणा की है, जबकि भारत के पूर्व

विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को सहायक कोच के रूप में चुना है। इस कदम से फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और भी मजबूत हो गया है।

विश्व कप विजेता और अपने दौर के सबसे जबरदस्त सलामी बल्लेबाजों में से एक, हेडन शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर और आधुनिक टी20 बैटिंग की बारीकियों में अपनी विशेषज्ञता के साथ टाइटन्स के सेटअप में शामिल हुए हैं। वह फ्रेंचाइजी के सपोर्ट स्टाफ की और मजबूती प्रदान करेगे, क्योंकि टीम 2026 सीजन के लिए नए जोश के साथ तैयारियों में जुटी हुई है।

आईपीएल 2025 में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने एलिमिनेटर तक का सफर तय किया था। हालांकि, एलिमिनेटर मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन का प्रदर्शन बल्ले से शानदार रहा था। सुदर्शन टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और उन्होंने 15 मुकाबलों में 156 के स्ट्राइक रेट से खेलेते हुए 759 रन बनाए थे। वहीं, गिल ने 15 मुकाबलों में 155 के स्ट्राइक रेट से खेलेते हुए 650 रन बनाए थे।

एफआईएच हॉकी नेशन कप के लिए अभ्यास कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल एफआईएच हॉकी नेशन कप की तैयारियों में लगी है। एफआईएच हॉकी नेशन कप 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेला जाएगा। साल 2021 में हुई हॉकी नेशंन कप हॉकी प्रो लीग से बाहर रही सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों की एक शीर्ष स्तरीय प्रतिযোগिता है। इसमें किजयी रही टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में प्रवेश मिलाता है। भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में अंतिम स्थान पर होने के कारण प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा नेशन कप में मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, घिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। वहीं इस टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी भाग लेगी। पुरुष वर्ग का टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका के फेफटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए पुरुष टीम भी आजकल कड़े अभ्यास में लगी हुई है।



मैंने हमेशा अपने को मशाल थामने वाले के तौर पर देखा : द्रविड़



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नमन समारोह में लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित पूर्व कप्तान और मुख्य कोच कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट का हिस्सा रहना उनके लिए सम्मान की बात है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने साल 2024 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था। वहीं साल 2023 में एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी। बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने हमेशा अपनी भूमिका को बस एक मशाल थामने वाले के तौर पर देखा है। मैंने पिछली पीढ़ी से मशाल थामी। जिसमें पहले मैं एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहा था और फिर अपने काम को मैंने मैच के तौर पर आगे बढ़ाया। द्रविड़ ने कहा, अपने समय मुझे भी योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिला। मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि अगली पीढ़ी ने उस विरासत को सफलता पूर्वक आगे बढ़ाया है। साथ ही कहा कि हमें जो सफलताएं मिली हैं उसका बहुत बड़ा श्रेय मौजूदा प्रबंधन, टीम और भारतीय क्रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति को जाता है। इस खेल में हम सभी का अपना-अपना समय आता है और हमें अपना योगदान देना होता है। मैंने भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने को प्रयास किया है। मैं अपने से पिछली पीढ़ियों से प्रेरित रहा हूं और यह देखना सचमुच अद्भुत है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को और भी ऊंचे स्तर पर ले जा रही हैं। भारतीय टीम के कप्तान और कोच पद को सभाल चुके द्रविड़ ने कहा कि यह अवॉर्ड पाना उनके लिए अत्यंत कृतज्ञता का क्षण था। यह अवॉर्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। मेरा मतलब है कि मैं इस अवॉर्ड के पिछले विजेताओं के रास्ते बता, जो हमारे देश में इस खेल के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। यह सच में वह लोग हैं जिन्हें मैंने अपना आदर्श माना है, जिनकी तारीफ़ की है, और यह सभी मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहे हैं।

सैमसन ने रॉयल्स छोड़ने के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई। रॉजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान संजु सैमसन इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आएंगे। सैमसन ने जिन प्रकार लंबे समय तक रॉयल्स की ओर से खेलने के बाद उसे छोड़ा उसको लेकर कई बार सवाल उठते रहे हैं। जिसको लेकर अब संजु ने अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि रॉयल्स में उनका समय समाप्त हो गया था। सैमसन आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले एक ट्वेड डील के जरिये सीएसके में चले गये थे। सैमसन के रॉयल्स छोड़कर अचानक ही सीएसके में जाने से प्रशंसक भी हैरान थे। इसी को देखते हुए आईपीएल के 2026 सत्र से पहले सैमसन ने रॉयल्स छोड़ने के अपने फैसले को अपने बतौर को लेकर बताया है। सैमसन के अनुसार उन्होंने साल 20 18 से 2025 तक रॉयल्स की ओर से खेलनें क बाद देखा कि अब टीम के साथ उनका समय पूरा हो गया है। सैमसन ने रॉयल्स के लिए 11 आईपीएल सीजन खेले हैं। जिससे वह टीम के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह 2013 से 2015 तक भी इस टीम का हिस्सा रहे थे, इसके बाद उन्होंने दो सत्र 2016-2017 तब की टीम दिल्ली डेयरडेविल्स से खेला था। सैमसन ने कहा, ‘यह पहली बार है जब मैं आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ खेलने जा रहा हूं। मैं मैदान पर कदम रखते ही भावनाओं के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। खेल ही सब कुछ तय करता है। मैच से पहले और मैच के बाद, जब मैं पुरानी टीम के साथ खेलता हूं, तो वहां कई खिलाड़ी हैं जिनके साथ हमने वक़्त में खेला है। बहुत सारे प्रबंधन से जुड़े और सहयोगी स्टाफ के सदस्य हैं।। मुझे सबका प्यार और सम्मान मिला है। मैंने पहले कहा, हर किसी का अपना समय होता है। मेरा समय राजस्थान रॉयल्स के साथ था पर अब मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। इसको लेकर मेरा मन उत्साहित भी है।’

मंधाना महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, हरमनप्रीत सातवें स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं। रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिव्वाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ। भारत की जेमिमा रोड्रिज़ 12वें स्थान पर बरकरार हैं।

न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ ‘आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज’ के अंतिम मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेलकर रैंकिंग में बढ़ी छलांग लगाई है। 33 वर्षीय ग्रीन की डुनेडिन में खेली गई 73 गेंदों की पारी की बदौलत उनकी टीम ने 200 रन से जीत दर्ज करते हुए श्रृंखला में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस प्रदर्शन से

वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर ने आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 रन बनाने के साथ 22 रन देकर पांच विकेट झटके और ‘प्लेयर ऑफ द मैच’ का पुरस्कार अपने नाम किया। इस बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर उन्हें ‘प्लेयर ऑफ द सीरीज’ भी चुना गया। इस प्रदर्शन से केर 21वें स्थान से संयुक्त 19वें स्थान पर पहुंच गई हैं और बल्लेबाजी तथा गेंदबाजी दोनों में 600 से अधिक रेटिंग अंक हासिल किए हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड की इसाबेल गेज भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 61वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, तेज गेंदबाज रोजमेरी मेयर सात स्थान ऊपर चढ़कर 58वें

और ब्री इलिंग पांच स्थान की बढ़त के साथ 79वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कप्तान अमेलिया केर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ माउंट माउंगानुई में खेले गए पहले मुकाबले में 44 गेंदों पर 78 रन की पारी खेलकर करियर के सर्वश्रेष्ठ 694 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में आठवें स्थान पर बरकरार हैं।

जॉर्जिया प्लिम्प ने 63 रन की पारी खेलकर अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह 50वें से 41वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में जेस केर ने 13 रन देकर दो विकेट लेने के प्रदर्शन के दम पर 11 स्थान की छलांग लगाकर 23वां स्थान हासिल किया है। वहीं, सोफी डिव्वाइन ने करियर के सर्वश्रेष्ठ 12 रन देकर चार विकेट झटके, जिससे वह 104वें स्थान से 79वें स्थान पर पहुंच गई हैं।



डेवोन कॉनवे की आकर्षक पारी, न्यूजीलैंड ने दूसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर श्रृंखला बराबर की



हैमिल्टन (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मेंचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली।

कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। उसके बल्लेबाजों को पिच की गति और उछाल से सामंजस्य बिठाने में

पेशानी हुई। उनकी टाइमिंग सही नहीं थी जिसके कारण उसके सभी बल्लेबाज कैच आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी छह विकेट 40 रन पर गंवाए। जॉर्ज लिंडे की तुफानी पारी के दम पर ही वह 100 रन की संख्या पार कर पाया। लिंडे ने 12 गेंदों में तीन चौकों और इतने ही छकों की मदद से 33 रन बनाए।

हाल ही में टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के रिजर्व खिलाड़ी रहे सियर्स ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान केशव महाराज ने कहा, ‘मुझे लगा कि हमने एक समय तक बहुत अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन बल्लेबाजों में हमारा प्रदर्शन खराब रहा। खेल आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए मुश्किल हो गया था।’ तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

धोनी को अगला कोच देखना चाहते हैं गंभीर



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि वह चाहते हैं अगले कोच महेंद्र सिंह धोनी बने। गंभीर के धोनी के साथ अच्छे संबंध नहीं रहे हैं पर अब ये बयान देकर गंभीर ने दिखाया है कि दोनों में किसी प्रकार की दूरियां नहीं हैं। गंभीर ने धोनी को अपना संभावित उत्तराधिकारी बताते हुए कहा, मैं चाहता हूं कि एक दिन वह मेरी जगह कोच बने। एक कार्यक्रमकके दौरान गंभीर ने धोनी की तारीफ करते हुए कहा कि उनका विश्व कप फाइनल देखने आना और उनका संदेश देना बेहद खास था। उन्होंने कहा, अच्छा लगा कि वह फाइनल देखने आए और मुझे मुस्कुराने को कहा। मैं चाहता हूं कि एक दिन वह मेरी जगह हों और मैं उन्हें उसी तरह संदेश दूं। यह बयान सिर्फ तारीफ नहीं, बल्कि धोनी के कोच बनने की संभावना की ओर इशारा माना जा रहा है। पहले कई बार गंभीर और धोनी के तनावपूर्ण रिश्तों को लेकर चर्चाएं होती रही हैं। गंभीर अक्सर टीम इंडिया की सफलता में धोनी को ज्यादा श्रेय दिए जाने पर सवाल उठाते थे पर अब अब दोनों के बीच सम्मान और तालमेल साफ नजर आ रहा है। वहीं अगर अनुभव की बात करें तो धोनी के पास पारंपरिक कोचिंग अनुभव कम है। उन्होंने 2021 टी20 विश्व कप में टीम इंडिया के मेंटर की भूमिका निभाई थी। लेकिन उनकी असली इच्छा है मैच को पढ़ने की शान्द क्षमता, दबाव में शांत रहने की कला, कप्तान के तौर पर शानदार रिकॉर्ड, आईपीएल के जर्जर टी20 क्रिकेट की गहरी समझ, कई विशेषज्ञ मानते हैं कि धोनी पहले मेंटर या डायरेक्टर की भूमिका निभा सकते हैं, फिर कोच बन सकते हैं।

स्काश के ओलंपिक का हिस्सा बनने के बाद सभी खिलाड़ियों की नजरें लॉस एंजलिस खेलों पर:अनाहत

मुंबई (एजेंसी)। भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली स्काश खिलाड़ी अनाहत सिंह को उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में हर खिलाड़ी का ध्यान मुख्य रूप से लॉस एंजिलिस 2028 खेलों पर होगा क्योंकि इन खेलों के दौरान स्काश ओलंपिक में पदार्पण करेगा। अनाहत ने मंगलवार को यहां कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन की टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अनाहत ने कहा, ‘बेशक यह बहुत रोमांचक है। यह पहली बार है जब यह ओलंपिक का हिस्सा बन रहा है और सभी खिलाड़ी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।’

उन्होंने कहा, ‘इससे पहले कोई भी

खिलाड़ी अधिक से अधिक राउटमंडल खेलों में खेल सकता था लेकिन अब ओलंपिक भी है और बेशक, हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह ओलंपिक में जाए, खेलें और पदक जीते।’ अनाहत ने कहा, ‘अगले कुछ वर्षों में सभी का यही लक्ष्य रहेगा और दीर्घकाल में मेरे दिमाग में भी यही बात रहेगी कि मैं ओलंपिक तक ट्रेनिंग कर सकूं और संभवतः देश के लिए पदक जीत सकूं।’

जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन पीएसए कोपर प्रतियोगिता है जो खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का मौका और साथ ही इस साल के आधिकार में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में भी मदद

करेगा। भारत के दूसरे सबसे बेहतर रैंकिंग वाले पुरुष खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किए जाने से कारपोरेट जगत भी इसकी ओर आकर्षित हुआ है।

उन्होंने कहा, ‘यह (ओलंपिक) दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है इसलिए वहां पहुंचना हर किसी का सपना होता है। इसके अलावा हमारे खेल को एसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी फायदा हुआ है जो ओलंपिक में शामिल होने के बाद ही संभव हो पाया है।’ टंडन ने कहा, ‘ओलंपिक में शामिल होने के बाद पूरे स्काश पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है।’

टंडन ने कहा कि इंडियन ओपन में खेलने से उन्हें कुछ रहत जरूर मिलेगी लेकिन स्काश खिलाड़ी पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के हालात पर भी नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा, ‘यह स्वदेश में ही हो रहा है इसलिए हमारे लिए बहुत सुविधाजनक है। इसके ठीक बाद में लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। अभी तक उड़ान रद्द नहीं हुई है इसलिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि युद्ध की स्थिति कैसी रहती है।’

टंडन ने कहा, ‘तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिय है मैं हो जा एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से इम्नेल मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और 2023 में दो कांस्य पदक जीतने के बाद



पर भी विचार कर रहे हैं।’ अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और 2023 में दो कांस्य पदक जीतने के बाद

की जर्सी के पीछे होगा। राज्य और उससे आगे मजबूत उपस्थिति के कारण जे के लक्ष्मी सीमेंट हमारे लिए एक स्वाभाविक साझेदार हैं। हम पूरे सीजन के दौरान प्रशंसकों और समुदायों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं।’

जे के लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड के डिटी मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीवत्स सिंघानिया ने कहा, ‘राजस्थान हमेशा से हमारी यात्रा का अहम हिस्सा रहा है, जिसने हमारी पहचान और विकास को आकार दिया है। राजस्थान रॉयल्स के साथ यह साझेदारी इस मजबूत रिस्ते को और गहरा बनाती है और उत्कृष्टता, बेहतर प्रदर्शन और दीर्घकालिक सहयोग जैसे साझा मूल्यों को दर्शाती है। टी20 लीग राजस्थान को राष्ट्रीय मंच देती है और हमें खुशी है कि हम ऐसी टीम के साथ खड़े हैं जो इस अद्भुत राज्य की भावना और उत्कृष्टता को दर्शाती है।’

रोहित से सीखा है शांत रहकर कप्तानी करना : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने कुशल कप्तानी के लिए चर्चाओं में बने हुए हैं। अब तक उनकी कप्तानी में भारतीय टीम की जीत का रिकार्ड सबसे अच्छा रहा है। इसके पीछे एक बड़ा कारण सूर्यकुमार के शांत स्वभाव को भी माना जाता है, चाहे टीम से कोई गलती हो क्यों न हो जाए वह भड़कते नहीं है। इस पर उन्होंने बताया कि उन्होंने यह तरीका पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से सीखा है। सूर्या ने कहा कि जब वह रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलते थे, तब उन्होंने देखा कि रोहित का प्रतिक्रिया हर परिस्थिति में एक जैसा रहती थी। वह गुस्सा करने के बजाय स्थिति को शांत तरीके से सभालते थे। सूर्यकुमार यादव का मानना है कि कप्तान का काम खिलाड़ियों पर दबाव बनाना नहीं बल्कि उन्हें आत्मविश्वास देना होता है। उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी जानबूझकर कैच नहीं छोड़ता या खराब गेंद नहीं डालता। हर खिलाड़ी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता है। अगर गलती हो जाती है तो कप्तान और टीम का काम उसे सुधारने में मदद करना होता है। हालांकि सूर्यकुमार ने साफ किया कि वह व्यक्तिगत आंकड़ा या रिकॉर्ड पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। उनके मुताबिक असली महत्व टीम की जीत का होता है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी खेल में हारना पसंद नहीं है और यही सोच टीम के बाकी खिलाड़ियों में भी दिखाई देती है। सूर्या का मानना है कि जब पूरी टीम एक ही लक्ष्य और सोच के साथ मैदान पर उतरती है, तभी ऐसे शानदार परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। सूर्या की कप्तानी में टीम ने कुल 52 मैच खेले हैं, जिनमें से 42 मुकाबलों में जीत हासिल की है। भारत को सिर्फ 8 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, जबकि 2 मुकाबले बिना किसी परिणामा के समाप्त हुए। इस तरह टीम का जीत प्रतिशत 80 फीसदी से भी अधिक है। टी20 जैसे फॉर्मेट में इतना प्रभावशाली रिकॉर्ड किसी भी कप्तान के लिए बेहतरीन माना जाता है।

ईरान विश्व कप मैचों को स्थानान्तरित करने के लिए फीफा के संपर्क में: मेक्सिको स्थित ईरान दूतावास

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)।

मेक्सिको स्थित ईरान के दूतावास ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने विश्व कप मैचों को अमेरिका से मेक्सिको स्थानान्तरित करने के लिए फीफा से बातचीत कर रहा है। यह कदम उस समय सामने आया है जब सह मेजबान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए ईरान को टूर्नामेंट में भाग लेने से हतोत्साहित किया। फीफा की ओर से अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इस तरह की कोई औपचारिक बातचीत चल रही है या नहीं।

फीफा ने इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। ईरान के अधिकारियों ने पहले कहा था कि विश्व कप के दौरान टीम की सुरक्षा सुनिश्चित करना फीफा और अमेरिका की जिम्मेदारी है। दूतावास ने ईरान फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज के हवाले से बयान जारी करते हुए कहा कि खिलाड़ी और अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईरान अपने गुप चरण के मैच मेक्सिको में कराना चाहता है।

इस बयान के मुताबिक, ‘जब ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह ईरान की राष्ट्रीय टीम की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो हम निश्चित रूप से अमेरिका की यात्रा नहीं करेंगे। हम वर्तमान में फीफा के साथ बातचीत कर रहे हैं कि विश्व कप में ईरान के



मैच मेक्सिको में आयोजित किए जाएं।’

यह विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित हो रहा है। ईरान की 16 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ कैलिफोर्निया के इंग्लवुड में मैच खेलने हैं, जबकि 26 जून को सिएटल में मिन्न के खिलाफ गुप चरण का अंतिम मुकाबला निर्धारित है।

विश्व कप शुरू होने से तीन महीने से भी कम समय पहले मैचों का स्थान बदलना अप्रत्यूष कदम होगा। ट्रंप ने पिछले सप्ताह

कहा था कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बावजूद ईरान टीम का स्वागत है, लेकिन ‘मुझे नहीं लगता कि अपने जीवन और सुरक्षा के लिए उनका वहां होना उचित है।’ पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने टूर्नामेंट में भागीदारी को लेकर मिश्रित संकेत दिए हैं। अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए हमलों में इस्लामिक गणराज्य के सर्वोच्च नेता आयातुल्ला अली खामेनेई सहित कई वरिष्ठ नेताओं की मौत हुई है।

खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने पिछले सप्ताह सरकारी टीवी से कहा था, ‘ईरान के

खिलाफ किए गए कृत्यों के कारण खेलना संभव नहीं है।’ ट्रंप के बयान के बाद राष्ट्रीय टीम ने हालांकि इंस्टाग्राम पर लिखा, ‘कोई भी उसे टूर्नामेंट से बाहर नहीं कर सकता।’ तेहरान में सरकार के एक प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना फीफा और मेजबान देश अमेरिका की जिम्मेदारी है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, ‘फीफा विश्व कप का आयोजक है। जब उच्च स्तर पर यह चेतावनी दी जाती है कि ईरान के खिलाड़ियों के लिए माहौल सुरक्षित नहीं है, तो यह दर्शाता है कि मेजबान देश के पास इन्हें बड़े खेल आयोजन के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने की पर्याप्त क्षमता नहीं है।’

ईरान में फुटबॉल बेहद लोकप्रिय है। नौ करोड़ से अधिक आबादी वाला यह देश अब तक सात पुरुष विश्व कप में भाग ले चुका है। इसमें लगातार पिछले चार सत्रों के लिए कालीफाई करना भी शामिल है। फीफा रैंकिंग में टीम 20वें स्थान पर है और एशिया में केवल जापान से पीछे है। फीफा ने हाल के दिनों में इस मुद्दे पर कोई नई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेन्टिनो ने पिछले सप्ताह इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा था कि उन्हें ट्रंप से आश्वासन मिला है कि ईरान टीम का टूर्नामेंट में स्वागत है।

अब वह एशियाई खेलों में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही है।

पोखरी के सुंदरीकरण को लेकर विवाद, दोनों पक्षों ने जताया दावा

आजमगढ़ । फूलपुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 6 चंद्रशेखर आजाद नगर स्थित गाटा संख्या 677 मि. की पोखरी (नन्दोइया पोखरी) के सफाई व सुंदरीकरण कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। नगर पंचायत द्वारा कराए जा रहे कार्य को कुछ लोगों ने अपना मलकाना हक बताते हुए रुकवा दिया, जिसके बाद मामला स्थानीय प्रशासन तक पहुंच गया है।

जानकारी के अनुसार कुछ लोगों का कहना है कि वे केवट जाति से हैं और उनका पुश्तैनी पेशा मत्स्य पालन है। उनका दावा है कि जमींदार उन्मूलन से पहले यह क्षेत्र टाउन एरिया था और गाटा संख्या 677 की पोखरी पर उनके पूर्वजों को जमींदार कमर हुसैन और वाजिद अली के वारिसों से 20 नवंबर 1957 को मत्स्य पालन के लिए पंजीकृत पट्टा मिला था। इसके अलावा 25 नवंबर



1957 को तहसीलदार फूलपुर की अदालत से सुलहनामा भी प्राप्त हुआ था।

दावा करने वालों के अनुसार इस मामले में स्वत्व विवाद को लेकर न्यायालय में मुकदमा भी चला था, जिसका निस्तारण 12 फरवरी 2007 को हुआ। उस निर्णय में पोखरी पर

पूर्णमासी और रामकेश पुत्र नंदलाल ने स्थानीय अधिकारियों सहित मुख्यमंत्री से शिकायत की है।

वहीं दूसरी ओर जमींदार पक्ष ने भी पोखरी पर अपना पुश्तैनी स्वामित्व बताते हुए सुंदरीकरण कार्य पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि यह पोखरा और उससे जुड़ी जमीन वाजिद अली, चिराग अली, कमर हुसैन आदि के वंशजों की निजी संपत्ति है। उनका आरोप है कि उनके पूर्वजों ने केवट समाज के कुछ लोगों को रहने के लिए जमीन दी थी और मत्स्य पालन की अनुमति भी दी थी, लेकिन पिछले 35झ40 वर्षों से वहां मछली पालन नहीं हो रहा है और कुछ लोग अतिक्रमण कर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

इधर नगर पंचायत अध्यक्ष राम अशिष बरनवाल का कहना है कि नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में वार्ड

नंबर 6 की सभासद गुड़िया देवी ने पोखरी के सुंदरीकरण का प्रस्ताव रखा था, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत स्वीकृति मिली है। उन्होंने बताया कि बाबा परमहंस मंदिर के पास स्थित यह ऐतिहासिक पोखरा गंदगी और अतिक्रमण से प्रभावित है, जिससे नगरवासियों को परेशानी हो रही है। चेयरमैन के अनुसार पोखरी की सफाई और सुंदरीकरण से अतिक्रमण हटेगा, जल स्तर बनाए रखने में मदद मिलेगी और क्षेत्र को गंदगी से राहत मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अराजक तत्व कब्जे की नीयत से कार्य में बाधा डाल रहे हैं। नगर पंचायत ने स्पष्ट किया है कि योजना के तहत सुंदरीकरण कार्य हर हाल में पूरा कराया जाएगा और अवरोध पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



कुल संख्या 13 हो गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष राम अशीष बरनवाल ने सभी नवनियुक्त सभासदों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर विकास कार्यों को और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि नव मनोनीत सभासदों के सुझावों और सहयोग से नगर को सजाने-संवारने का कार्य तेजी से किया जाएगा।

सभासदों के मनोनयन पर भाजपा फूलपुर मंडल अध्यक्ष रबेश बिंद सहित अभय सिंह लालू, विवेक विश्वकर्मा, आशीष मद्धेशिया, आबिद, इफ्तिखार अहमद, अनिल सोनकर, गुड़िया देवी, मीरा देवी, नीतू सोनकर, अनवरी बेगम, रिजवान, अरशद, ओंकार गुप्ता, सुरेश सोनकर और मनोज गुप्ता समेत अनेक लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

वाराणसी ने जीता ओपन स्टेट सीनियर पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट, आजमगढ़ को 14 रन से हराया

आजमगढ़ : खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय आजमगढ़ द्वारा आयोजित ओपन स्टेट आमंत्रण सीनियर पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में वाराणसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आजमगढ़ को 14 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया।

सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वाराणसी ने 20 ओवर में 149 रन बनाए। जवाब में आजमगढ़ की टीम 18.2 ओवर में ऑलआउट हो गई। वाराणसी के अर्पित सिंह (नाबाद 29), आनंद सिंह (25) और सक्षम (24) ने अहम योगदान दिया। गेंदबाजी में आयुष और वृजेश ने 3-3 विकेट झटके।



आजमगढ़ की ओर से सौरभ (24), अमित भगत (23) और कुलदीप कृष्णा (18) ने संघर्ष किया, जबकि गेंदबाजी में सुनील कुमार और अखंड प्रताप सिंह ने 3-3 विकेट लिए।

अर्पित को मैन ऑफ द मैच, कंवर शिवम सिंह को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और वृजेश सोनकर को

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जिला युवा कल्याण अधिकारी सुल्तान सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आयोजन के तहत 19 मार्च को जनपद स्तरीय जूनियर हॉकी व जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

आजमगढ़ के मेहनाजपुर थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीड़ित को अक्कटर, रेलवे सहित विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर करीब 12 लाख रुपये ऐंठ लिए थे।

पीड़ित द्वारा पैसे वापस मांगने पर आरोपी ने रकम लौटाने से इंकार करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में थाना मेहनाजपुर पर मुकदमा संख्या 116/2025 के तहत संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया था, जिसकी विवेचना के दौरान अन्य धाराएं भी बढ़ाई गईं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए



आरोपी फूलेंन्दर राम (51) निवासी बरेहता, थाना तरवां को बुधवार को सुबह करीब 11:15 बजे गांव के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी मुखबिर की सूचना और मोबाइल लोकेशन के आधार पर की

फूलपुर नगर पंचायत में तीन सभासद मनोनीत, लोगों ने दी बधाई

आजमगढ़ । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा फूलपुर नगर पंचायत में तीन नए सभासदों के मनोनयन की घोषणा के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। हालांकि, नगर पंचायत का आधे से अधिक कार्यकाल बीत जाने के बाद मनोनयन होने को लेकर कुछ लोगों ने मलाल भी जताया है। उप्र सरकार द्वारा गोविन्द यादव, कमला प्रसाद प्रजापति और मनीष (अंगद) सोनकर को सभासद पद के लिए मनोनीत किया गया है।

मनोनयन की सूचना मिलते ही समर्थक और स्थानीय लोग उनके आवास पर पहुंचकर बधाई देने लगे। नवनियुक्त सभासदों ने इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। फूलपुर नगर पंचायत में कुल 10 वार्ड हैं, जिनमें पहले से 10 निर्वाचित सभासद (चार महिला व छह पुरुष) कार्यरत थे। अब तीन मनोनीत सभासदों के जुड़ने के बाद



इफ्तार पार्टी में जुटे नगर के गणमान्य लोग, अमन-चैन की दुआ

आजमगढ़। सरायमीर नगर पंचायत क्षेत्र के मीर हसन वार्ड नंबर 11 स्थित नेहाल भाई के चैतुक आवास पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर एवं आसपास के क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित और सम्मानित लोग मौजूद रहे। माह-ए-रमजान के पवित्र अवसर पर आयोजित इस इफ्तार में रोजेदारों के साथ रोजा खोलते हुए आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया गया। आयोजनकर्ता ने कहा कि इस मुकद्दस महीने में रोजेदारों की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि रमजान के दौरान देश में अमन, शांति और भाईचारे के लिए रोजेदारों द्वारा दुआएं की जा रही हैं और इस नेक कार्य में शामिल होना सभी के लिए गर्व की बात है।

पुलिस लाइन में पुलिस परिवार बैठक, बच्चों के विकास और सुविधाओं पर जोर

आजमगढ़ । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में पुलिस परिवार बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस कर्मियों के परिजनों से संवाद स्थापित करते हुए विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी साझा की गई। इस दौरान पुलिस कर्मियों के बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया गया और उन्हें आउटडोर खेलों में अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही पुलिस लाइन में आवासों और बैरकों के निर्माण व सुधार कार्यों की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा उपस्थित सदस्यों से सुझाव लिए गए। बैठक में सहायक पुलिस अधीक्षक प्रेमसुख दरिया, क्षेत्राधिकारी लाइन शुभम तोदी,



प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं पुलिस परिवार के सदस्य मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने

इस तरह की बैठकों के जरिए कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।



सरायमीर में महिलाओं का चोर गिरोह पकड़ा, तीन गिरफ्तार

आजमगढ़ । थाना सरायमीर पुलिस ने महिलाओं के एक सक्रिय चोर गिरोह का पदार्पण करते हुए तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 18 फरवरी को सरायमीर बाजार में ऑटो में बैठी महिला की चैन चोरी की घटना के खुलासे में की गई। पुलिस के अनुसार, जकिया पत्नी सैफ निवासी खुटहना की तहरीर पर दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान सीमा, बानी देवी और पिंकी उर्फ चिरई को पर्वीलाडपुर से गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 2030 रुपये बरामद हुए हैं। पुछताछ में आरोपित महिलाओं ने बताया कि वे भीख मांगने के बहाने चेहरा ढककर ऑटो या ई-रिक्शा में बैठती थीं और महिलाओं के आभूषण व पर्स से नकदी चोरी कर भीड़ में फरार हो जाती थीं। पुलिस ने तीनों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक पंकज यादव सहित अन्य पुलिसकर्मों शामिल रहे।

भाजपा नेताओं ने रुकवाया नाली निर्माण, मानकों की अनदेखी का आरोप

आजमगढ़ । नगर पंचायत माहुल के वार्ड संख्या 9, सुभाष चंद्र बोस नगर में चल रहे नाली एवं इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य को मंगलवार को भाजपा नेताओं ने रुकवा दिया। भाजपा जिलामंत्री दिलीप सिंह बघेल के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी और अनियमितता का आरोप लगाया।

जानकारी के अनुसार नगर पंचायत द्वारा वार्ड में 46 मीटर इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण का कार्य ठेकेदार के माध्यम से कराया जा रहा था। आरोप है कि प्रस्तावित स्थान के विपरीत लगभग 20 फीट स्थान छोड़कर नाली निर्माण शुरू किया गया। इसके अलावा निर्माण में सफेद बालू और घटिया सीमेंट के इस्तेमाल की भी शिकायत सामने



आई, मौके पर पहुंचे भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य अजय श्रीवास्तव ने ठेकेदार से कार्य में बदलाव को लेकर सवाल किया। ठेकेदार द्वारा चेयरमैन के निर्देश का हवाला देने पर कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और निर्माण कार्य को तत्काल

रुकवा दिया।

इस दौरान भाजपा माहुल मंडल अध्यक्ष विमलेश पांडेय, मंडल उपाध्यक्ष आशीष सिंह, युवा मोर्चा जिला कार्यसमिति सदस्य हरिकेश गुप्ता एवं अजीत यादव समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे,

वहीं, इस मामले में नगर पंचायत माहुल के अधिशासी अधिकारी अवधेश मिश्र ने बताया कि मानकों की अनदेखी की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कराई जा रही है और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

आजमगढ़ । जनपद में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। चोरों के हासले इतने बुलंद हैं कि उन्हें पुलिस का जरा भी खौफ नहीं रह गया है। ताजा मामला फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के मौना गांव का है, जहां बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों के गहनों व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। मौना गांव निवासी शीतला त्रिपाठी के घर में ससुर और बहू ही मौजूद थे। जानकारी के अनुसार, चोर घर की छत पर चढ़कर सीढ़ी के सहारे अंदर घुसे और कमरे में रखी लोहे की आलमारी व बक्सा उठाकर पिछले दरवाजे से फरार हो गए। रात करीब एक बजे बहू हिमांगी जब उठी तो कमरे का दरवाजा खुला देख उसके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखा तो आलमारी और बक्सा गायब था।



उसने शोर मचाकर बाहर सो रहे ससुर को बुलाया। घटना की सूचना तत्काल बड़े पुत्र को दी गई, जिसके बाद डायल 112 पर पुलिस को खबर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की तो घर से करीब

पहुंची, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी सचिवदानंद ने बताया कि कुछ संदिग्धों को चिन्हित किया गया है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

संस्थापक जीशान अहमद खान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक फिरदौस जहां खानम, प्रधान संपादक मनोज और सह-संपादक सरस्वती विश्वकर्मा। फूलपुर एक्सप्रेस, मकान नं. 80, मुंशी दोलत लाल नगर, वार्ड नं. 10, फूलपुर, आजमगढ़ से मुद्रित। आरएनआई नंबर : UPHIN/25/A47371 फिरदौस जहां खानम द्वारा ग्राम पुरानाजीर, पोस्ट मुंडवर, थाना फूलपुर, आजमगढ़ ग्रामी से प्रकाशित। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों के जिम्मेदार संपादक होंगे व न्याय क्षेत्र आजमगढ़ होगा।

मो. : 9559563804